राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 06 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-17 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भूकंप से हिले नॉर्थ-ईस्ट के कई राज्य, तीव्रता 5.6 मापी गई

-घबराए लोग घरों से बाहर निकले

नई दिल्ली।

असम और मणिपुर समेत पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में बुधवार सुबह करीब 11 बजे के आस-पास भूकंप के तेज झटकों से लोगों में भय का वातावरण निर्मित हो गया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.6 मापी गई है। भूकंप के कारण असम के अलावा मणिपुर और नागालैंड में भी धरती में कंपन महसूस किए गए। राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी तरह के जान-माल का नुकसान होने की कोई खबर नहीं है।

बुधवार सुबह करीब 11.06 बजे भूकंप के झटके महसूस होने पर लोग भयभीत हो गए और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के याइरीपोक इलाके में भूकंप से धरती कांपी है। जानकारी अनुसार स्थानीय समयानुसार ठीक 11:06 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.6 तीव्रता का एक मध्यम भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसकी गहराई धरती के अंदर 44 किलोमीटर बताई गई, और इसका केंद्र याइरीपोक शहर से 44 किलोमीटर पूर्व में बताया गया।

मणिपुर में भूकंप के झटकों से घरों की दीवारें हिल गईं और खिड़कियों के शीशे खड़खड़ाने लग गए। इससे डरकर कुछ लोग घरों से बाहर खुले मैदानों की ओर भाग निकले। बताया जा रहा है कि भूकंप के झटके असम और मणिपुर के अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों समेत सीमा पार के कुछ इलाकों में भी महसूस किए गए। राहत की बात यह रही कि इस भूकंप के कारण किसी प्रकार के जान-माल को नुक्सान होने की कोई खबर नहीं आई है।

यहां बताते चलें कि पिछले कुछ दिनों में उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। पिछले दिनों दिल्ली में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। इससे सभी लोगों में भय व्याप्त है और सरकार ने सावधानी बरतने की समझाइश दी है। इससे पहले पिछले 28 फरवरी को असम में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। उस समय भूकंप की तीव्रता 5.0

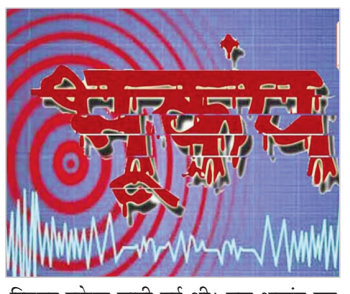

रिक्टर स्केल मापी गई थी। तब भूकंप का केंद्र मोरीगांव था और यह सतह से 16 किलोमीटर गहरे में आया था।

पटना विश्वविद्यालय में दरभंगा हाउस बम धमाकों से गूंजा

पटना । पटना विश्वविद्यालय में दो साल के बाद इस बार छात्र संघ का चुनाव होना है। इसके पहले दरभंगा हाउस परिसर बम धमाकों से गूंज उठा। घटना के बाद दरभंगा हाउस परिसर में हड़कंप मच गया। संस्कृत विभाग के एचओडी प्रोफेसर लक्ष्मी नारायण की गाड़ी पर भी हमला किया गया है। उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस के साथ टाउन डीएसपी दीक्षा भी पहुंचीं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि कुछ युवक बम मार रहे हैं। संभवतः ये पटना विश्वविद्यालय के छात्र हो सकते हैं क्योंकि कई बार पहले भी इस तरह की घटनाएं हुईं हैं। वहीं टाउन डीएसपी ने पूरी घटना की पुष्टि कर कहा कि दरभंगा हाउस में एक सुतली बम फोड़ने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर हम लोग पहुंचे। वहां एक गाड़ी खड़ी थी जो बम से क्षतिग्रस्त हुई है। बम को गाड़ी पर ही फेंका गया था। इस लेकर मामला दर्ज जांच शुरु की जा रही है।

उमर के विधायक का जागा पाकिस्तान प्रेम, कश्मीर समस्या के हल के लिए बात करें

जम्मू । जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और खानयार से विधायक अली मोहम्मद सागर ने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कश्मीर समस्या का हल निकालने के लिए पाकिस्तान को बातचीत में शामिल करना जरूरी है। विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर विधायक सागर ने कहा कि बीजेपी खुद को देश का ठेकेदार समझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों को कभी इख्वानी कहा जाता था, उन्हें अब बीजेपी की फौज बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी असली पहचान तभी बनेगी जब वे सही फैसला लें। सागर ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता ने उमर और फारूक अब्दुल्ला के पक्ष में जनादेश दिया है। उन्होंने पूछा कि अगर चुनाव सही तरीके से हुए, तब यह भी माना जाना चाहिए कि वहां जीतकर कौन आया है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह धर्म के नाम पर लोगों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर बच्चा अब बीजेपी की राजनीति को समझ चुका है और उस पर हंस रहा है। वहीं सागर के बयान पर बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान दुखद हैं।

आज उत्तरकाशी पहुंच रहे पीएम मोदी, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

नई दिल्ली । उत्तराखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छह मार्च गुरुवार को प्रस्तावित दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी है। जौलीग्रांट एयरपोर्ट और उत्तरकाशी जिले के विभिन्न इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी अपने विशेष विमान से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचकर उत्तरकाशी जाएंगे। उनके दौरे को देखकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस मुख्यालय से विशेष अधिकारियों को उत्तरकाशी भेजा गया है, वहीं लोकल पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर कमांडेंट पीएसी प्रीति प्रियदर्शनी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि वे ड्यूटी स्थल पर समय से तीन घंटे पूर्व पहुंचे और अपने प्रभारी अधिकारी को रिपोर्ट करें। पीएम मोदी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जौलीग्रांट एयरपोर्ट, होटल, धर्मशालाएं, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर विशेष चेकिंग अभियान पुलिस के द्वारा चलाया जा रहा है। पुलिस ने सभी को निर्देश दिया हैं कि ड्यूटी के दौरान कोई भी पुलिसकर्मी मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करेगा और बिना अनुमति ड्यूटी स्थल नहीं छोड़ेगा। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई होगी। संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश के लिए बम निरोधक दस्ता और स्वाट टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है।

बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश की 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया

छपरा। बिहार के सारण में पुलिस के साथ एक एनजीओ ने विभिन्न जगहों पर ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया गया है। सभी लड़कियां बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, जिन्हें एलबम में काम करने के नाम पर लाया गया था। इन लड़कियों को आर्केस्ट्रा में डांस कराया जाता था। मामले में एनजीओं ने संचालकों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आवेदन दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रेस्क्यू की गई लड़कियों को सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान एलबम में काम कराने के बहाने पटना बुलाया गया। फिर एक दो एलबम में डांसर के रूप में काम करवाया गया। फिर आर्केस्ट्रा में पैसे का लालच देकर डांस कराया जाने लगा। ये सभी गरीब परिवार से हैं। मजबूरी में इन्हें आर्केस्ट्रा में काम करना पड़ रहा था। एनजीओ संचालक ने बताया कि जिले के तीन थाना क्षेत्र से 14 लड़कियों को रेस्क्यू किया है, इसमें अधिकतर लड़कियां उत्तर प्रदेश और बंगाल की रहने वाली हैं।

अब सैटेलाइट से चलेगा इंटरनेट, देश के कोने-कोने से समुद्र तक में मिलेगी स्पीड

जहां केबल और मोबाइल टॉवर की सुविधा नहीं वहां भी होगी कनेक्टिविटी

नई दिल्ली।

भारत में जल्द सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस का शुरु होने वाली है। इस साल जून की शुरूआत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू हो सकती है। दूरसंचार नियामक इस सर्विस के लिए बेस तैयार कर रहा है, जो दूरदराज और समंदर तक में इंटरनेट पहुंचाने में सक्षम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) सैटेलाइट कम्युनिकेशन के प्राइसिंग और उपयोग पर सिफारिशों के एक सेट को अंतिम रूप दे रहा है, जिसे

पिछले दो सालों से तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जैसे ही इसकी रूपरेखा तैयार होगी उसके बाद स्पेक्ट्रम एलोकेट किया जाएगा। रिलायंस जियो इन्फोकॉम, भारती एयरटेल और स्टारलिंक द्वारा सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज से जुड़ी सिफारिशें अंतिम रूप दिए जाने के करीब हैं। ब्रॉडबैंड की तुलना में यह सर्विस बहुत आगे है। खास बात है कि यह उन इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी देती है जहां केबल या मोबाइल टावर की सुविधा नहीं है। सैटेलाइट इंटरनेट में स्पेस में मौजूद सैटेलाइट्स का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया के कई देशों में सैटेलाइट इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह ब्रॉडबैंड इंटरनेट की तुलना में ज्यादा महंगा है, क्योंकि सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ी लागत ज्यादा होती है।

बैंकों के पास लोन बांटने नहीं बचा पैसा, महाकुंभ में लोगों ने किया जमकर खर्च

नई दिल्ली।

महाकुंभ में करोड़ों लोगों ने महाकुंभ जाने के लिए बैंकों से जमकर पैसा निकाला। आलम ये है कि अब बैंकों के पास लोन बांटने के लिए भी पैसे नहीं है। बैंकों की हालत को सुधारने के लिए आरबीआई अब बड़ा कदम उठाने जा रहा है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बैंकिंग सेक टर में पूंजी तरलता बढ़ाने के लिए आरबीआई जल द कुछ करने वाला है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई को बैंकों में पूंजी डालने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती करनी होगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकारी प्रतिभूतियों के स्वामित्व में कोई बदलाव नहीं होने पर, ओपन मार्केट ऑपरेशंस का अंतर करीब 1.7 लाख करोड़ रुपए हो सकता है। इसका मतलब है कि अतिरिक्त तरलता उपायों की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय बैंकिंग प्रणाली में तरलता का संकट पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय का सबसे बुरा संकट छाया है। नवंबर में प्रणाली की तरलता 1.35 लाख करोड़ रुपए के बैलेंस से घटकर दिसंबर में 0.65 लाख करोड़ रुपए के घाटे में चली गई। जनवरी में यह घाटा बढ़कर 2.07 लाख करोड़ हो गया और फरवरी में 1.59 लाख करोड़ का घाटा हुआ। एसबीआई रिपोर्ट में कहा गया है कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन के कारण भी बैंकों में नकदी की कमी आई है। महाकुंभ में खुदरा जमाकर्ताओं ने बड़ी मात्रा में बैंकों से पैसे निकाले और उसे महाकुंभ में खर्च किया। इस दौरान जमा का अनुपात निकासी से काफी कम रहा है और बैंकों के पास नकदी की कमी हो गई। इसका परिणाम यह है कि निकाली गई मुद्रा का एक बड़ा हिस्सा अभी तक बैंकिंग सिस- टम में वापस नहीं आया है। एसबीआई रिपोर्ट की मानें तो अब आरबीआई को तरलता संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए सीआरआर घटाना ही पड़ेगा। फरवरी की एमपीसी बैठक में भी आरबीआई ने सीआरआर में 0.50 फीसदी की कटौती की थी, जिससे बैंकिंग सिस्टम में 1.10 लाख करोड़ रुपए की पूंजी आई थी।

आंदोलनरत किसानों के चंडीगढ़ कूच को देखते हुए सभी बॉर्डर सील, पुलिस अलर्ट पर

चंडीगढ़।

पंजाब के किसान अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसके चलते आज किसान चंडीगढ़ कूच करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेतृत्व में यह आंदोलन हो रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर चंडीगढ़ पुलिस ने सभी बॉर्डर को सील कर दिया गया है और यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।

भारतीय किसान यूनियन (एकता-उग्रहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उग्रहां ने किसानों से अपील की है कि वे सड़कों, राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध न करें और जहां उन्हें रोका जाता है, वहीं सड़क किनारे धरना दें। एसकेएम ने पंजाब सरकार पर विरोध के अधिकार को दबाने का आरोप लगाया है।

किसानों की प्रमुख मांगें

आंदालनरत किसानों की प्रमुख मांगों में कृषि नीति के क्रियान्वयन, भूमिहीन मजदूरों को भूमि वितरण और किसानों की कर्ज माफी शामिल हैं। प्रशासन ने प्रदर्शन के लिए अभी तक कोई निर्धारित स्थान आवंटित नहीं किया है, जिससे तनाव बढ़ने की आंशका व्यक्त की जा रही है।

केजरीवाल के वीआईपी कल्चर पर स्वाति मालीवाल का तंज, ट्रंप से बड़ा काफिला लेकर चल रहे

भाजपा का आरोप, विपासना के नाम पर ढोंग और नौटंकी कर रहे

नई दिल्ली ।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के करीब एक माह बाद पूर्व सीएम और आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे हैं। वे अपनी पत्नी सुनीता के साथ आनंदगढ़ में 10 दिवसीय विपश्यना सत्र में शामिल होकर ध्यान लगाएंगे। इस बीच केजरीवाल के काफिले का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

दरअसल केजरीवाल कभी नेताओं के वीआईपी कल्चर का विरोध करते थे, लेकिन जब वे पंजाब पहुंचे, तब उनकी गाड़ियों का लंबा काफिला दिखाई दिया। पूर्व सीएम के काफिले का वीडियो वायरल होने पर आप की बागी और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल पर तंज कसा है।

स्वाति ने काफिले का वीडियो शेयर कर लिखा कि केजरीवाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं। राज्यसभा सांसद स्वाती ने लिखा, जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज खुद ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं।

वहीं बीजेपी भी केजरीवाल के काफिले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेर रही है। बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ऐसी विपासना का क्या फायदा जहां सादगी और आत्मचिंतन की जगह 50 गाड़ियों के काफिले में अहंकार और दिखावा हो? केजरीवाल की ये नकली सादगी एक और नौटंकी है, जो व्यक्ति भ्रष्टाचार और अहंकार में डूबा हो, वहां विपासना के असली अर्थ को क्या समझेगा? जनता सब देख रही है!

वहीं आम आदमी पार्टी की ओर से बताया गया कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने केजरीवाल को सुरक्षा दी है। कांग्रेस और बीजेपी वाले मिले हुए हैं। केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं और न ही पंजाब के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं।

यमुना की सफाई पर वचनबद्ध दिल्ली सरकार, 1300 मिट्रिक टन कचरा निकाला

मंत्री प्रवेश वर्मा ने सफाई अभियान का निरीक्षण किया

नई दिल्ली ।

दिल्ली की बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार यमुना नदी की सफाई के काम में जुट गई है। बीते कुछ दिनों से सफाई का काम शुरू हो चुका है। इसके साथ ही पार्टी लगातार दावा कर रही है कि अगले तीन साल में दिल्ली में यमुना पूरी तरह साफ होगी। इसी कड़ी में खुद दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने यमुना की सफाई अभियान का निरीक्षण कर दावा किया कि जल्द ही यह यमुना नदी चमकने लगेगी।

दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि बीते 10 दिनों से यमुना की सफाई का काम हो रहा है। इस दौरान 1300 मिट्रिक टन कचरा निकाला जा चुका है। नदी में फेरी चलाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही एमओयू साइन होगा। उन्होंने कहा कि यमुना की सफाई के काम पर सीधे पीएम नरेंद्र मोदी और पीएमओ की नजर है। उन्होंने बुधवार को यमुना सिग्नेचर ब्रिज से आईटीओ छठ घाट और ओखला बैराज तक यमुना

की सफाई का निरीक्षण किया।

दरअसल, मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को यमुना नदी में बोट में बैठकर 12 किलोमीटर तक नदी की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री वर्मा ने दावा किया कि अब कभी यमुना में बाढ़ जैसी स्थिति नहीं बनेगी। साथ ही यमुना को अगले तीन साल में साफ करने के लिए नए एसटीपी (एसटीपी) बनाए जाएंगे और पुराने मौजूद एसटीपी की क्षमता बढ़ाई जाएगी। साथ ही फैक्ट्री का कूड़ा सीईटीपी से साफ होगा और नियम न मानने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

जाने कब लट्ठमार होली देखने और खेलने पहुंचें कान्हा की नगरी

मथुरा ।

विश्व प्रसिद्ध कान्हा की नगरी ब्रज की होली का आगाज हो रहा है। वहीं होली जिसका इंतजार बड़ी ही बेसब्री से होता है। ब्रज की वहीं होली जिसकी गूंज चारों ओर सुनाई देती है, हर ओर रंग अबीर गुलाल उड़ता हुआ दिखाता है। ज्यादातर लोगों की पसंद ब्रज की होली होती है और इसकारण बड़ी संख्या में लोग होली के त्यौहार पर ब्रज पहुंचते हैं।

रंगोत्सव के मौके पर ब्रज में आने वाले लोग पूरी तरह से होली के रंग में रंगे दिखाते हैं। लड्डू की होली हो या फिर लट्ठमार होली नजारा अलग होता है और उसके साथ ब्रज के रसिया जिसका आनंद केवल ब्रज में ही मिलेगा। वृंदावन, बरसाना, गोकुल, नंदगांव, मथुरा, बलदेव, गोवर्धन सहित पूरे क्षेत्र में होली की धूम नजर आ रही है।

वैसे पूरे महीने ही ब्रज में होली का रंग नजर आता है। लेकिन प्रसिद्ध होली का आगाज 7 मार्च हो रहा है, जिसे फाग आमंत्रण कहते हैं। इस दिन लड्डू की होली का आयोजन होता है। ब्रज की बोली और ब्रज की होली दुनिया भर में अपनी अनोखी झलक को लेकर प्रसिद्ध है। फागुन का महीना शुरू होते ही ब्रज में होली के उत्सव की धूम भी शुरू हो जाती है, क्योंकि फागुन के उत्सव में ब्रज और ब्रजवासी दोनों रंगे हुए नजर आते हैं।

ब्रज की पारंपरिक होली का आगाज 7 मार्च से होगा। 7 मार्च को आमंत्रण के साथ ही होली उत्सव की शुरुआत होगी। 7 मार्च को भाग आमंत्रण के साथ-साथ लड्डू होली का आयोजन किया जाएगा, जोकि अपने आप में प्रसिद्ध है। लड्डू होली नंदगांव और बरसाना में खेली जाएगी। 08 मार्च को अपनी अनोखी झलक वाली लट्ठमार होली होगी, जिसमें गुजरिया हुरियारों पर लट्ठमार मर होली खेलेंगी।

09 मार्च को लट्ठमार होली व रंग लट्ठमार होली खेली जाएगी जो नंदगांव, गांव रावल में खेली जाएगी। 10 मार्च को श्रीकृष्ण जन्म स्थान, श्री बांके बिहारी मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर में होली खेली जाएगी, जो वृंदावन और मथुरा में होगी। 11 मार्च को छड़ीमार होली जो गोकुल में होगी। 13 मार्च को चतुर्वेदी समाज का डोला व होलिका दहन गांव फोलेन मथुरा में। 14 मार्च को धुलेंडी पूरे ब्रज क्षेत्र में। 15 मार्च दाऊजी, नंदगांव, जाब, हुरंगा, चरकुला। 16 मार्च हुरंगा गांव बठेन। 20 मार्च छड़ीमार होली महावन। 22 मार्च श्री रंग जी मंदिर वृन्दावन में होली होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डोनाल्ड ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन

ब्रिटिश पीएम ने गले लगाकर जेलेंस्की का स्वागत किया ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने दो बार यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया। सबसे पहले उन्होंने जेलेंस्की के लंदन पहुंचने पर गले लगाकर उनका स्वागत किया, फिर डिफेंस समिट में जेलेंस्की के पहुंचने पर दूसरी बार गले लगाया।इससे पहले जब जेलेंस्की शनिवार को इंग्लैंड पहुंचे तो सड़कों पर लोगों ने जेलेंस्की के सपोर्ट में जोरदार नारे लगाए। स्टार्मर ने उन्हें रिसीव किया और कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है। हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन के अंदर भी दरार नजर आ रही है।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश यह महसूस कर रहा है कि अमेरिका में ट्रंप शासन आने के बाद दुनियाँ की परिस्थितियों में परिवर्तन हो रही है, ट्रंप के अमेरिकी फर्स्ट के विज़न के कारण ट्रंप तेजी से ऐसी परिस्थितियों लाने को आतुर हैं, ताकि अमेरिका की आर्थिक स्थिति मजबूत हो, अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो, यूक्रेन की खनिज में हिस्सेदारी तथा रूस के साथ दोस्ती की पींगे बढ़ाना, व्हाइट हाउस में ट्रंप जेलेंस्की विवाद इत्यादि इसी का ही एक हिस्सा माना जा सकता है, तो उधर 27 देश का संगठन यूरोपीय यूनियन, नाटो, तुर्की इत्यादि पूरी स्थिति को समझ रहे हैं, क्योंकि ईयू को पूरी प्रक्रिया में अलग- थलग किया जा रहा है, नतीजा यह है कि शुक्रवार 28 फरवरी 2025 को व्हाइट हाउस में ज़ेलेंसकी व ट्रंप की गहमागहमी के बाद जैलेंसकी जब सीधे ब्रिटेन लंदन पहुंचे तो उन्हें हाथों- हाथ लिया गया, ईयू नाटो तुर्की उसके साथ खड़े दिखे जबकि दो अन्य देश विरोध कर रहे थे। लंदन में यूरोपीय यूनियन देशों का यूक्रेन जंग मुद्दे पर डिफेंस समिट हुआ, जिसमें यूक्रेन की मदद की बात कीगई व अमेरिका को युद्ध समझौता प्लान देने पर बातचीत हुई। संयोगवश उसी दौरान यूरोपीय यूनियनकी अध्यक्ष 27-28 फरवरी 2025 को भारत दौरे पर थी, जहां विदेश मंत्री व पीएम से सफल चर्चा के बाद रूस ने तंज कसा कि यूरोप भारत की शरण में जा रहा है,यानें भारत का रुतबा बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है, ऐसा मेरा मानना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन, यूरोपीय देशों में मतभेदों के बीच यूरोपीय यूनियन अध्यक्ष भारत के साथ पींगे बढ़ाने को आतुर? रूस का तंज, भारत की शरण में पूरा यूरोप? जिससे भारत की अहम भूमिका हो गई है।

साथियों बात अगर हम यूरोपीय यूनियन के चर्चा में आने व यूक्रेन को समर्थन करने की करें तो जेलेंस्की के सपोर्ट में कई यूरोपीय देश यूरोप के कई नेताओं ने जेलेंस्की के लिए अपना समर्थन जताया है। नॉर्वे, नीदरलैंड, पोलैंड, यूरोपीय यूनियन, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों के अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने भी जेलेंस्की के लिए समर्थन जताया।जेलेंस्की शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे थे। जहां दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। ट्रम्प-वेंस और जेलेंस्की एक-दूसरे की तरफ उंगली दिखाते नजर आए। ट्रम्प ने कई बार जेलेंस्की को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि वो तीसरा विश्वयुद्ध कराने का जुआ खेल रहे हैं।जेलेंस्की ने कहा कि जब आप युद्ध में होते हो, तो सबके साथ परेशानियां होती हैं।भविष्य में इस युद्ध का असर अमेरिका पर भी पड़ेगा।ट्रम्प यह सुनकर झुंझला गए और उन्होंने कहा कि हमें मत बताइए कि हमें क्या महसूस करना चाहिए। यूक्रेन जंग के मुद्दे पर यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट लंदन में हुई, इस बैठक में 15 देशों के राष्ट्र प्रमुख, तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो के महासचिव, यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट शामिल हुए। ब्रिटिश पीएम ने गले लगाकर जेलेंस्की का स्वागत किया ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने दो बार यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया। सबसे पहले उन्होंने जेलेंस्की के लंदन पहुंचने पर गले लगाकर उनका स्वागत किया, फिर डिफेंस समिट में जेलेंस्की के पहुंचने पर दूसरी बार गले लगाया।इससे पहले जब जेलेंस्की शनिवार को इंग्लैंड पहुंचे तो सड़कों पर लोगों ने जेलेंस्की के सपोर्ट में जोरदार नारे लगाए। स्टार्मर ने उन्हें रिसीव किया और कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है। हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे। यूक्रेन कभी भी सैन्य ताकत के दम पर रूस को बातचीत के टेबल पर नहीं ला पाएगा। इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने भी जेलेंस्की के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का सपोर्ट किया है। व्हाइट हाउस में दोनों के बीच हुई बहस के बाद उन्होंने ट्रम्प को मजबूत और जेलेंस्की को कमजोर कहा था। उन्होंने ट्रम्प का धन्यवाद भी किया था। ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए शनिवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए

साथियों बात अगर हम व्हाइट हाउस में ट्रंप से गहमागहमी के बाद जैलेंसकी सीधे लंदन यात्रा पर पहुंचने की करें तो पीएम स्टार्मरनें कहा हमारी कोशिश यूक्रेन को मजबूत स्थिति में लाना है। हम यूक्रेन के लिए अपना समर्थन दोगुना कर रहे हैं।स्टार्मर ने कहा कि समिट में शामिल नेताओं ने यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता जारी रखने और रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने पर सहमति जाहिर की है। किसी भी शांति वार्ता में यूक्रेन को शामिल किया जाना चाहिए।स्टार्मर का कहना है कि किसी भी समझौते में रूस को शामिल करना जरूरी होगा, लेकिन रूस ने इससे पहले कई बार समझौतों का उल्लंघन किया है, ऐसे में हमें यह तय करना होगा कि यूक्रेन को दी जाने वाली गारंटी पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। आगे के संघर्ष से बचने के लिए गारंटी की जरूरत है। इस बैठक से पहले स्टार्मर ने कहा था कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि ये प्लान तभी काम करेगा जब अमेरिका अपनी सुरक्षा गारंटी पर टिका रहेगा।

साथियों बात अगर हम यूक्रेन जंग मुद्दे पर हुए डिफेंस समिट में अन्य देशों की प्रतिक्रिया की करें तो, बैठक के बाद किसने क्या कहा, (1)उर्सुला वॉन डेर लेयेन- यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष ने कहा कि हमें यूरोप को तत्काल हथियारबंद करना होगा। हमें डिफेंस निवेश बढ़ाना होगा। यह यूरोपीय यूनियन की सुरक्षा के लिए जरूरी है। हमें फिलहाल सबसे खराब हालात के लिए तैयार रहना चाहिए। इसे लेकर 6 मार्च को यूरोपीय परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया जाएगा। (2) मार्क रूटे- नाटो के महासचिव ने कहा कि यूरोपीय देश सुरक्षा के लिए खर्च और यूक्रेन को सपोर्ट बढ़ाने के लिए कदम उठाएंगे। अभी तक कोई शांति समझौता नहीं हुआ है, लेकिन हमें इसके लिए तैयार रहना होगा और यह तय करना होगा कि यूरोपीय देश सुरक्षा गारंटी के साथ मदद करने के लिए तैयार हैं। (3) डोनाल्ड टस्क- पोलैंड के राष्ट्रपति ने कहा कि यूरोप जाग गया है और अब यूक्रेन के लिए समर्थन और यूरोपीय यूनियन के ईस्ट बॉर्डर को मजबूत करने पर एक स्वर में बोल रहा है। (4) ओलाफ शोल्ज- जर्मन चांसलर ने कहा कि आज की बैठक काफी महत्वपूर्ण थी। यह रूसी हमले से जूझ रहे यूक्रेन के लिए यूरोप का समर्थन जाहिर करने का मौका था।

साथियों बात अगर हम ट्रंप के जंग से दूर रहने की करें तो,अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कर दिया है कि अगर कोई जंग छिड़ती है तो इससे अमेरिका दूर रहेगा।अब बड़ा सवाल उठता है कि यूक्रेन तो रूस से युद्ध लड़ नहीं पाएगा, तो फिर क्या यूरोपीय देश रूस से सीधा जंग लड़ेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने जेलेंस्की से मुलाकात से पहले यूरोप का प्रतिनिधित्व करने आए ब्रिटेन के प्राइम मिनिस्टर कीर स्टार्मर से भी मुलाकात की थी।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि पूरे यूरोप की रूस के साथ जंग छिड़ने जा रही है और उसका सेंटर पॉइंट यूक्रेन बनेगा। वहीं इससे पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों से भी मुलाकात की थी। इस दौरान भी दोनों नेता सहज स्थिति में नहीं थे। अमेरिका के युद्ध से पीछे हटने के बाद जेलेंस्की जंग में अकेले पड़ गए हैं। ऐसे में यूरोपियन यूनियन के देशों को साथ आना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें सबसे पहले यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देनी होगी। हालांकि संभावना यह भी है कि अगर वह यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देने पर सहमत होते हैं तो रूस यूरोपीय देशों पर हमले शुरू कर सकता है।

साथियों बात अगर हम यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष की 27-28 फ़रवरी 2025 को भारत यात्रा की करें तो, उनके इस यात्रा के में उनके साथ यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह भी थे। यह यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह की भारत की पहली यात्रा थी और उर्सुला वॉन डेर लेयेन की भारत की तीसरी यात्रा थी। यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह, 27 सदस्य वाली यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों के आयुक्तों से बना है। यह पहली बार था कि यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह, यूरोप के बाहर का दौरा कर रहे थे।ईयू अध्यक्ष भारत यात्रा के दौरान, भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक भी नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।ईयूअध्यक्षा ने नई दिल्ली में पीएम के साथ बैठक की और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया। संयुक्त वक्तव्य की मुख्य बिन्दु-.

(1)भारत और यूरोपीय संघ 2025 में पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे ।(2) दोनों, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु, जल,स्मार्ट और टिकाऊ शहरीकरण, कनेक्टिविटी और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार और गहरा करने पर सहमत ।(3)दोनों स्वच्छ हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, अपतटीय पवन, टिकाऊ शहरी गतिशीलता, विमानन और रेलवे जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग तेज करने पर सहमत।

संपादकीय

बदहाली की शिक्षा

हरियाणा के सरकारी स्कूल जिस बदहाली से गुजर रहे हैं उसका निष्कर्ष यही है कि ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने साबित हो सकते हैं। हरियाणा के प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए युक्तीकरण के प्रयासों से राज्य में सार्वजनिक शिक्षा की निराशाजनक स्थिति ही उजागर हुई है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य में 487 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बिना किसी शिक्षक के संचालित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह है कि करीब 294 स्कूलों में कोई छात्र नामांकित नहीं है। निश्चय की छात्रों के मोहभंग के कारणों को समझना कठिन नहीं है। निश्चित रूप से यदि प्राथमिक शिक्षा की यह तस्वीर है तो माध्यमिक और उच्च शिक्षा की स्थिति और भी खराब हो सकती है। विडंबना यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की कवायद में शिक्षकों की बड़ी कमी के बावजूद पांच हजार से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो गए हैं। हालांकि, छात्र-शिक्षक अनुपात 28:1 प्रबंधनीय लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा खराब है। लगभग 16,500 से अधिक टीजीटी और 11,341 पीजीटी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। इतना ही नहीं राज्य के विश्वविद्यालय और कालेज भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यहां तक कि सरकारी कॉलेजों में भी व्याख्याताओं के लगभग आधी पद खाली हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि राज्य में योग्य बेरोजगारों की बड़ी संख्या के बावजूद ये पद खाली पड़े हैं। जो व्यवस्थागत खामियों की ओर ही इशारा करते हैं। विसंगति यह भी है कि बजटीय उपेक्षा ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले साल एक संबंधित मामले में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आवंटित बजट का समय रहते उपयोग न कर पाने के कारण शिक्षा निधि में 10,675 करोड़ रुपये वापस लौटने का उल्लेख किया था। जो शिक्षा विभाग की उदासीनता की ही तस्वीर ही उकेरता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक ओर वित्तीय संसाधनों की कमी की बात कही जाती है और दूसरी ओर शिक्षा निधि में उपयोग न किए गए धन को लौटाने की बात सामने आ रही है। जाहिरा तौर पर यदि आवंटित धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा निरर्थक ही साबित होगा। कमोवेश शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों का अंकगणितीय ज्ञान और साक्षरता का कौशल पंजाब व पड़ोसी राज्य हिमाचल से कमतर ही है। हाल में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2024 एक गंभीर स्थिति को ही उजागर करती है। वार्षिक स्थिति रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा आठवीं तक के केवल 43.1 प्रतिशत छात्र ही गणित में भाग की गणनाएं कर सकते हैं। जो कि वर्ष 2022 में 49.5 प्रतिशत से कम ही है। जबकि दूसरी ओर पंजाब के स्कूलों के छात्र 58 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं। उसके बाद हिमाचल प्रदेश 44 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर पढ़ने का कौशल भी उतना ही चिंताजनक है। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र गिरावट का ट्रेंड ही नजर आएगा। जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है।

राजस्थान लोक नृत्य के रंग

(लेखक- मुकेश तिवारी)

वैसे तो हिंदुस्तान के सभी प्रदेशों की कला संस्कृति संस्कृति नृत्य संगीत से भरपूर है, लेकिन राजस्थान को इस क्षेत्र का अग्रणी प्रदेश कहना ही उचित होगा। मेले उत्सवों की बहुतायत तो यहां है ही ऐसा लगता है कि यहां के रहवासी रंग-बिरंगे परिधान, संगीत और मनमोहक नृत्यों में डूबने का अवसर खोजते रहते हैं। अन्य राज्यों की अपेक्षा राजस्थान में नृत्यों की भी भरमार है। उत्साह का संचार करते ये लुभावने नृत्य देखने वालों का वरवस ही मन मोह लेते हैं। राजस्थान का हर नृत्य प्रत्येक नृत्य किसी विशिष्ट मौके से जुड़ा हुआ होता है। कुछ मुख्य नृत्य है--- घूमर, गैर, डांडिया, तेराताल, चरी, कच्ची घोड़ी कालबोलिया ,भवई भोपा - भोपी आदि।

घूमर --राजस्थान का सबसे ज्यादा लोकप्रिय नृत्य घूमर महिलाओं द्वारा किया जाता है। जिसमें जितनी अधिक महिलाएं होती हैं यह उतना ही मोहक लगता है। गोलाई में दायींओर अग्रसर होता है यह नृत्य आठ मात्रा की कहरवा तल पर धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। गोलाई में घूमने के साथ-साथ महिलाएं अपनी जगह पर भी चक्कर लगाती हैं कभी दायी ओर तो कभी बाई ओर से, ऐसे घूमते हुए उनके घेरदार रंग-बिरंगे घागरे फैल से जाते हैं जो बहुत ही आकर्षक दिखाई देते हैं। धीरे-धीरे संगीत की गति तेज होने के साथ-साथ महिलाओं के घूमने की गति भी बढ़ती जाती है, खासतौर से गणगौर और अन्य पर्वों पर किए जाने वाले इस नृत्य के साथी संगीत वाद्य है-- हारमोनियम, ढोलक, सारंगी, तबला और मंजीरे।

गैर-- होली के मौके पर किए जाने वाला यह नृत्य सिर्फ पुरुषों द्वारा किया जाता है। मेवाड़ क्षेत्र में उक्त नृत्य काफी लोकप्रिय है। घूमर नृत्य से जुगलबंदी का यह घूमर गैर के रूप में भी प्रसिद्ध हुआ है। नृर्तक अपने हाथों में दो डांडिया लेकर गोलाकार में खड़े हो जाते हैं। संगीत के साथ घूमते हुए वे सर्वप्रथम अपने दायी ओर के साथी से डांडिया बजाते हैं। फिर आपस में अपनी ही, फिर घूम कर बायी ओर वाले से फिर अपनी ... और इसी तरह ये सिलसिला चलता रहता है,, साथ ही, वे गोलाई में भी घूमते रहते हैं जिसकी गति धीरे-धीरे तेज होती जाती है, विशेषता समाप्ति की ओर।

डांडिया -- उक्त नृत्य भी पुरुषों द्वारा होली के मौके पर किया जाता है। स्त्रियां इस दौरान शौर्य और राजपूतों की वीर गाथाएं गाती है। सभी नृर्तक राजपूती योद्धा की वेशभूषा में होते हैं-- लंबा घेरदार जामा पहना हुए उनके दोनों हाथों में रहती है। एक -एक डांडिया, गोलाई में खड़े हो वे अपने दाएं हाथ की डांडिया दायीं और खड़े साथी की डांडिया से बजाते हैं और बाएं हाथ की बायीं ओर खड़े साथी से, एक बार अद्ध□ या पूर्ण घूम कर यह चक्र फिर दोहराया जाता है।

तेराताल --यह नृत्य की बारीकी और महारथ की परीक्षा ही है। एक या अधिक नर्तकियां हाथों में धागे से बंधे मंजीरे पड़कर शरीर के अन्य भागों पर बंधे मजीरों को बजाती है। तेराताल नृत्य में अधिकाधिक आकर्षण उत्पन्न करने के लिए वे कभी अपने मुंह में तलवार पकड़ लेती हैं तो कभी सिर पर दीप या मटके रख लेती है। कुछ भी हो मंजीरे बिना रुके बजते रहते हैं, साथ में तंदूरा, खड़ताल और मंजीरे की ताल पर योद्धा गुरु रामदेव की प्रशंसा में गीत गाए जाते हैं।

कालबेलिया ---कालबेलिया जाति की महिलाओं द्वारा किए जाने वाला यह नृत्य सपेरा नृत्य भी कहलाता है। काले रंग की लहंगा ओढ़नी पहनकर जब नृत्यांगना सांप की तरह बल कर नृत्य करती है तो दर्शक जैसे सम्मोहित से रह जाते हैं, जयपुर की गुलाबी इस नृत्य में पारंगत है और देश-विदेश में इसके लिए काफी लोकप्रिय भी है।

भवई--- उदयपुर के जाट नागाजी द्वारा बनाई भवई जाति का यह प्रमुख नृत्य सामाजिक पहलुओं पर नृत्य नाटिका के रूप में किया जाता है, सटीक व्यंग्य इसकी खासियत है।

चरी --यहां नृत्य मटकों और जलते दीपों का नृत्य है। सिर पर पांच -सात मटके संतुलित कर नर्तकियां गोलाकार में खड़े हो, बहुत ही लुभावना नृत्य करती है मेले त्योहारों आदि के मौकों पर यह नृत्य कच्ची घोड़ी के साथ किया जाता है।

भवई--- कच्ची घोड़ी ---समुचे राजस्थान और खासकर जोधपुर और बीकानेर में प्रचलित यह नृत्य वर्तमान समय में भी काफी लोकप्रिय है, लकड़ी और कागज से बनी सुंदर घोड़ियां और उन में सवार राजपूती परिधान में सजे नर्तक, साथ में होता है ढोल, झांझर और तसली का संगीत।

भोपा-भोपी---यह एक युवक और एक युवती या ऐसे अनेक जोड़ों का नृत्य है। खासतौर से छेड़छाड़ करने और रुठने -मनाने के इस नृत्य का मकसद दर्शकों का मनोरंजन ही है।

इन सबसे सबके अतिरिक्त और भी अनेक नृत्य है जो उल्लेखनीय है जैसे कमल नृत्य ,पनिहारी नृत्य, मयूर नृत्य, चकरी नृत्य, जसनाथी साधकों द्वारा जलते अंगारों पर अग्नि नृत्य, बोतल, तलवार या टूटे कांच पर नृत्य आदि ,इन सबकी लोकप्रियता इस बात का प्रतीक है कि चाहे आधुनिकीकरण कितनी भी आंधी आए हमारी स्वर्णिम संस्कृति का सौंदर्य अपने लोकाधार पर मजबूती के साथ हमेशा टिका रहेगा।

(लेखक के विषय में -मध्य प्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तर दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

विचार मंथन

शेयर बाजार की गिरावट रोकने सेबी पर भरोसा जगाना होगा

(लेखक-सनत कुमार जैन)

5 महीने से ज्यादा हो गए, शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले कुछ सालों में जिस तरह से शेयर बाजार का फुग्गा फुलाया गया था, पिछले 5 महीने में तेजी के साथ उसकी हवा निकल रही है। शेयर बाजार में अभी तक निवेशकों को 95 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से बाहर निकलना शुरू किया। अब देसी निवेशक भी बड़ी संख्या में शेयर बाजार से शेयर बेचकर बाहर निकल रहे हैं। छोटे-छोटे देसी निवेशकों का मोह भी बुरी तरह से भंग हुआ है। शेयर बाजार को लेकर पहली बार निवेशकों में यह धारणा बनी है। संगठित रूप से उनके साथ लूट की जा रही है। जब हिंडनवर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय भारतीय शेयर बाजार की गड़बड़ियों को उजागर किया गया था। सेबी ने उसको संज्ञान में नहीं लिया। शार्ट सेलिंग के जरिए कैसे शेयर के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा जिस तरह की धोखाधड़ी शेयर बाजार में की जा रही थी। इसका खुलासा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में हुआ था। शॉर्ट सेलिंग के लिए अवैध रूप से विदेशी कंपनियों का धन शेयर बाजार में अवैधानिक रूप से लगाया गया था। इसका खुलासा होने के बाद सेबी ने कोई जांच नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने भी जांच में लीपापोती करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जिसके कारण विदेशी निवेशकों का रुझान भारतीय शेयर बाजार से उठने लगा। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय शेयर बाजार में निवेश के लाभ पर जिस तरीके से लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन की वसूली की जा रही है, उसने भी निवेशकों का आकर्षण भारतीय शेयर बाजार से कम कर दिया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों पर टैक्स लगता है। कई देशों में इस तरह का टैक्स नहीं है। जिसके कारण कैपिटल गैन के कारण विदेशी निवेशकों का पलायन भारतीय शेयर बाजार से अन्य देशों के शेयर बाजार में निवेश होना शुरू हो गया है। पिछले 5 महीने में विदेशी निवेशकों ने 3 लाख करोड रुपए की बिकवाली की है, जिसके कारण नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 15 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। कंसल्टेंसी और एकाउंटिंग से जुड़े अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैक्सेशन के कारण विदेशी निवेशकों का मोह भारतीय शेयर बाजार से भंग हो गया है। देसी निवेशक भी कैपिटल गेन टैक्स की वसूली से नाराज हैं। भारतीय निवेशक शेयर बाजार से निवेश निकालकर सोने और चांदी में निवेश कर रहे हैं। जिसके कारण बाजार में लगातार बिकवाली और गिरावट देखने को मिल रही है। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को विदेशी निवेशकों से कैपिटल गेन टैक्स की वसूली का प्रावधान तुरंत समाप्त करना चाहिए। 2024 के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कैपिटल गेन टैक्स की दर ढाई फ़ीसदी से लेकर 5 फीसदी तक बढ़ा दिया गया था। बाजार नियामक संस्था सेबी की कार्यप्रणाली पर निवेशकों का भरोसा खत्म हो गया है। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के ऊपर बड़े गंभीर आरोप हैं। वह जेपीसी के सामने प्रस्तुत नहीं हुई। केंद्र सरकार के संरक्षण और आरोपों की जांच नहीं होने से निवेशकों का विश्वास शेयर बाजार मे नही रहा। हाल ही में वित्तीय संस्थाओं द्वारा शेयर बाजार की गिरावट रोकने के लिए निवेश किया गया। वह बाजार में कुछ ही घंटे के अंदर बाहर निकल गया। निवेशकों के बीच बाजार से निकलने की होड़ लगी हुई है। शेयर बाजार से जुड़े निष्पक्ष

अर्थशास्त्रियों का कहना है, सरकार को सेबी की कार्य प्रणाली को पारदर्शी बनाना होगा। सेबी के अधिकारियों को सजग और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। शेयर बाजार को हवा भरकर फुलाया जा रहा था। सेबी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी थी। सेबी ने आम निवेशकों के हित में काम नहीं किया। सरकार जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रही है, जिसके कारण निवेशकों को शेयर बाजार में भरोसा नहीं रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

10,000 रुपए की एसआईपी से निवेशकों को मिला 28 लाख का फंड

मुंबई ।

सबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड ने अपने 10 साल कर लिए हैं इस दौरान इसने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज पर केंद्रित इस फंड ने लंबी अवधि में स्थिर प्रदर्शन किया है। यदि किसी निवेशक ने फरवरी 2015 में इस स्कीम में सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए 10,000 रुपए का मासिक निवेश शुरू किया होता, तो अब तक उसकी निवेशित राशि की वैल्यू करीब 28 लाख रुपए हो गई होती। इस स्कीम की शुरुआत 26 फरवरी, 2015 में हुई थी। सबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज स्कीम की शुरुआत 26 फरवरी, 2015 में हुई थी। शुरुआत से अब तक एसबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड का प्रदर्शन शानदार रहा है। इस दौरान इस स्कीम के डायरेक्ट प्लान ने 14.94 फीसदी और रेगुलेर प्लान ने 13.73 फीसदी रिटर्न दिया है। बीते 5 साल में इसका रिटर्न 14.26 फीसदी सीएजीआर रहा।अगर आपने इस स्कीम में इसके लॉन्च के समय 1 लाख रुपए का एकमुश्त निवेश किया होता तो डायरेक्ट प्लान में आपका पैसा बढ़कर 4.03 लाख रुपए और रेगुलर प्लान में 3.62 लाख रुपए हो गया होता। इस फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 31 जनवरी, 2025 को 6,481 करोड़ रुपए था।

चीन ने इस वर्ष के लिए अपना आर्थिक वृद्धि लक्ष्य तय किया

बीजिंग ।

चीन ने अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध और अन्य प्रतिकूलताओं के बावजूद 2025 के लिए अपना आर्थिक वृद्धि लक्ष्य लगभग पांच प्रतिशत तय किया है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में प्रीमियर ली कियांग ने बुधवार को एक रिपोर्ट पेश की, जिसमें जीडीपी वृद्धि के लक्ष्य की घोषणा की गई। यह इस बात का संकेत देता है कि चुनौतीपूर्ण आर्थिक समय में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सरकार कितनी महत्वाकांक्षी है। चीन सरकार के आंकड़ों के अनुसार आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि इस साल उसकी अर्थव्यवस्था 4.6 प्रतिशत बढ़ेगी। यह आंकड़ा 2024 में पांच प्रतिशत था।रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग पांच प्रतिशत का लक्ष्य हमारे मध्यम और दीर्घकालिक वृद्धि लक्ष्यों के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है और कठिनाइयों का सामना करने तथा उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

संदेह की डगर- संचार मंत्रालय और संसदीय समिति के बीच टकराव

नई दिल्ली । संचार मंत्रालय और संसदीय समिति के बीच एक नया विवाद उभरा है, जिसकी शुरुआत हुई है दूरसंचार कंपनियों द्वारा हासिल किए गए स्पेक्ट्रम के मुद्दे पर। एक संसदीय समिति ने संचार मंत्रालय से चिंता व्यक्त की है कि 2022 से पहले यह स्थिति संशोधित होनी चाहिए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली समिति ने मंत्रालय को पत्र भेजकर इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है। समिति का कहना है कि स्पेक्ट्रम नीलामी की प्रक्रिया में कमी की उचित जांच की जानी चाहिए, और उन्होंने पूर्व में भी इस मुद्दे पर प्रकाश डाला है। सूत्रों के मुताबिक, समिति ने इस मामले में संचार और आईटी क्षेत्र की संतुलित विकास की चिंता व्यक्त की है। उनके अनुसार, 2015 की कैग रिपोर्ट में भी उसी बात का उल्लेख है। इस विवाद में, संचार मंत्रालय को समिति के आवाज को सुनने और उसकी सिफारिशों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दूरसंचार सेवाओं के विस्तार और उनके उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए सही स्पेक्ट्रम का उपयोग महत्वपूर्ण है, और इसलिए इस मुद्दे पर स्पष्टता और समझौता जरूरी है। संचार मंत्रालय और संसदीय समिति के बीच इस विवाद का समाधान होगा, और उम्मीद है कि सही निर्णय लिया जाएगा जो देश के संचार सेवाओं के उत्कृष्टिकरण में मददगार साबित होगा।

टाटा मोटर्स ने शुरू किया हाइड्रोजन ट्रकों का ट्रायल

- 24 महीने तक परखी जाएगी क्षमता

नई दिल्ली ।

वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के भारत के दृष्टिकोण की दिशा में सहायक भारत की प्रमुख वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने ट्रकों का पहली बार परीक्षण शुरू किया है। परीक्षण का यह दौर 24 महीने तक चलेगा और इसमें विभिन्न कॉन्फिगुरेशन और पेलोड क्षमताओं वाले 16 एडवांस्ड हाइड्रोजन-संचालित वाहनों का निर्माण शामिल है।

ये वाहन नए जमाने के हाइड्रोजन पेट्रोल-डीजल इंजन (एच2-आईसीई) और फ्यूल सेल (एच2-एफसीईवी) प्रौद्योगिकियों से संपन्न होंगे और इनका भारत के बेहद प्रमुख ढुलाई मार्गों पर परीक्षण किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वड़ोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस ट्रायल को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है जिसमें उत्सर्जन को कम करते हुए और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हुए भारत के परिवहन क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है। इस तरह की पहल से बड़े ट्रकों की गतिविधियों में बदलाव आएगा और हम एक कुशल, कम कार्बन वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ने में सक्षम होंगे। मैं हाइड्रोजन-संचालित हरित और स्मार्ट परिवहन को सक्षम करने की दिशा में इस महत्वपूर्ण कदम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए टाटा मोटर्स को बधाई देता हूं।

भारत के सेवा क्षेत्र में तेज वृद्धि, उत्पादन और रोजगार में बढ़ोत्तरी: पीएमआई

नई दिल्ली । देश के सेवा क्षेत्र में फरवरी महीने में तेज वृद्धि के चरम पर पहुंचा है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में सुधार के कारण, जिसे 26 महीनों की निकटता में पाया गया है। एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने बताया कि नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार इस माह में सेवा क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि हो रही है और इससे रोजगार में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। इस अच्छे समाचार का संकेत एचएसबीसी की सूचकांक ने दिया है। पहले 26 महीने में 56.5 से बढ़कर इस महीने में 59.0 तक पहुंच गया है, जिससे साफ होता है कि देश के सेवा क्षेत्र में तेजी सतह पर है। भारतीय अर्थव्यवस्था के इस उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव के बीच, वैश्विक मांग की वृद्धि ने सेवा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे उत्पादन वृद्धि और रोजगार की स्थिरता को प्रोत्साहित किया जा सकता है। इस सुधार के बड़े असर को देखते हुए, सेवा क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ और भी अच्छी गति की उम्मीदें जताई जा रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

जियो ने एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एआई प्लेटफॉर्म बनाया

- नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद

नई दिल्ली । जियो प्लेटफॉर्म्स ने स्वामित्व वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एक ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म बनाया है, जिससे प्रौद्योगिकी लागत को कम करने के साथ-साथ नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद है। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि मल्टी-डोमेन इंटेलिजेंस फेमवर्क नेटवर्क संचालन की हर परत में कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन को एकीकृत करेगा। रिलायंस जियो के समूह एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बयान में कहा कि एएमडी, सिस्को और नोकिया के सहयोग से जियो ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ा रहा है ताकि नेटवर्क को स्व-अनुकूलित, ग्राहक-जागरूक पारिस्थितिकी तंत्र में बदल दिया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वचालन से कहीं आगे एआई-संचालित, स्वायत्त नेटवर्क को सक्षम करने के बारे में है जो वास्तविक समय में अनुकूलन करते हैं, उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाते हैं, और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में नई सेवा और राजस्व के अवसर पैदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि एआई प्लेटफॉर्म एक बड़े भाषा मॉडलसे स्वतंत्र होगा और अपनी कार्यक्षमता और क्षमताओं को अनुकूलित करने के लिए एक खुले एप्लिकेशन इंटरफेस का उपयोग करेगा।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 740 अंक , निफ्टी 254 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे पिछले दिनों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया। बाजार में ये तेजी एशियाई सहित दुनिया भर के बाजारों से मिल अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। इससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 740.30 अंक करीब 1.01 फीसदी बढ़कर 73,730.23 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 254.65 अंक तकरीबन 1.15 फीसदी ऊपर आकर 22,337.30 पर बंद हुआ

वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.96 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप100 इंडेक्स भी 2.42 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार आज निचले स्तरों पर खरीदार से बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में तेजी से भी घरेलू बाजारों पर अच्छा प्रभाव पड़ा। इसके अलावा आईटी शेयरों में उछाल ने भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 46 आज बढ़त में बंद हुए। अदानी पोर्ट्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। इसमें 5 फीसदी की तेजी आई। टाटा स्टील, अदानी एंटरप्राइजेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन 5.15 फीसदी तक बढ़े। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, इंडियन बैंक, एचडीएफसी बैंक और श्रीराम फाइनेंस 3.37 के शेयरों में गिरावट रही। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने के फैसले से वहां गिरावट आई है। एसएंडपी 500 में 0.7 फीसदी की गिरावट आई, नैस्डैक में 0.6 फीसदी की गिरावट आई और डॉव में 423 अंक या 1 फीसदी की गिरावट आई।

इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स मामूली बढ़त लेकर 73,005.37 पर खुला। इसी तरह निफ्टी50 भी बढ़त में खुला। सुबह की शुरुआत में यह 135.40 अंक की बढ़त लेकर 22,218.05 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.04 रुपये पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे बढ़कर 87.10 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क बढ़ाने से वैश्विक बाजारों में एक जवाबी प्रतिक्रिया शुरू हो गई है। इसके चलते डॉलर में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक व्यापार युद्ध की आशंका वित्तीय दुनिया को जकड़े हुए है, इसलिए रुपये में थोड़ी नकारात्मक प्रवृत्ति के साथ कारोबार का अनुमान है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 87.18 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह बढ़त के साथ 87.10 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे ऊपर है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 87.19 पर बंद हुआ था।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 69 फीसदी बढ़ा

-औद्योगिक विकास को गति देने सरकार ने प्रमुख क्षेत्रों के लिए बजट बढ़ाया

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने कहा है कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 69 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो 98 बिलियन डॉलर (2004-2014) से बढ़कर 165 बिलियन डॉलर (2014-2024) हो गया है। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने 2025-26 में पीएलआई योजना के तहत प्रमुख क्षेत्रों के लिए बजट आवंटन बढ़ाया है, जिससे घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

अगस्त 2024 तक, कुल 1.46 लाख करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश मिला है, अनुमान है कि यह आंकड़ा अगले साल के भीतर 2 लाख करोड़ रुपए को पार कर जाएगा। इन निवेशों से उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है, जो 12.50 लाख करोड़ रुपए है, जबकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 9.5 लाख नौकरियां पैदा हुई हैं, निकट भविष्य में यह संख्या बढ़कर 12 लाख होने की उम्मीद है। कई क्षेत्रों में शानदार वृद्धि हुई है, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी हार्डवेयर के लिए आवंटन 5,777 करोड़ रुपए से बढ़कर 9,000 करोड़ रुपए हो गया है और ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट में 346.87 करोड़ रुपए से 2,818.85 करोड़ रुपए तक की वृद्धि हुई है।

सरकार के मुताबिक कपड़ा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला है, जिसका आवंटन 45 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,148 करोड़ रुपए हो गया है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पीएलआई योजना के तहत फल-फूल रहा है, जो मोबाइल फोन के शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में बदल गया है। घरेलू उत्पादन 2014-15 में 5.8 करोड़ यूनिट से बढ़कर 2023-24 में 33 करोड़ यूनिट हो गया है, जबकि आयात में गिरावट आई है। निर्यात 5 करोड़ यूनिट तक पहुंच गया और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 254 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो मैन्युफैक्चरिंग और निवेश को बढ़ावा देने में योजना की भूमिका को दर्शाता है।

जोमेटो- स्विगी के निवेशक होंगे मालालाल

मुंबई । शेयर बाजार में अगर आप स्विगी और जोमैटो के निवेशक मालामाल हो सकते हैं। दोनों शेयरों में अगले एक साल में 127 फीसदी तक के रिटर्न का अनुमान जताया गया है। एक ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्विगी का टारगेट प्राइस 740 रुपये प्रति शेयर और जोमैटो का टारगेट प्राइस 310 रुपये प्रति शेयर रखा है। अगर ये दोनों टारगेट प्राइस हासिल होते हैं तो स्विगी के शेयरों मौजूदा स्तर से 127 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है, जबकि जोमैटो के शेयरों में 40 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इन कंपनियों में डिस्काउंट देने का ट्रेंड अब अपने पीक लेवल से नीचे आ चुका है, जो नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच सबसे ऊंचे स्तर पर था। इसके अलावा कंपनियां अब छोटे ऑर्डर्स पर डिस्काउंट देने की बजाय, बड़े ऑर्डर वॉल्यूम को बढ़ावा दे रही हैं। दोनों कंपनियों के परफॉर्मेंस मार्केटिंग खर्चों में भी कटौती हुई है, जिससे संकेत मिलता है कि कंपनियां अब टिकाऊ ग्रोथ की ओर बढ़ रही हैं। अगर ये दोनों टारगेट प्राइस हासिल होते हैं तो स्विगी के शेयरों मौजूदा स्तर से 127 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है, जबकि जोमैटो के शेयरों में 40 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है।

भारत को निवेश-अनुकूल माहौल बनाने नियामकीय ढांचे की जरूरत: शीर्ष आर्थिक सलाहकार

- अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील

नई दिल्ली ।

भारतीय आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने देश के लिए निवेश-अनुकूल माहौल बनाने के लिए एक आधुनिक और प्रभावी नियामकीय ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया है। वैश्विक आर्थिक दबावों के कारण विदेशी निवेश पर हुई गिरावट को देखते हुए उन्होंने सरकार से नीतिगत सुधारों की मांग की है। नागेश्वरन ने बजट के बाद आयोजित वेबिनार में बताया कि भारत अब एक आकर्षक निवेश गंतव्य बन रहा है, लेकिन इसके लिए नियामकीय स्पष्टता और व्यापार संचालन को सरल बनाने की जरूरत है। उन्होंने अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील की है। इससे पहले भी सरकार ने एफडीआई नीति में सुधार की घोषणा की थी, जिसमें बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने की प्रस्तावना शामिल है। यह कदम नवाचार और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में देश की आउटवर्ड एफडीआई प्रतिबद्धताएं करीब 2.28 बिलियन कम हो गईं हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में हैरान करने वाली है।

यह स्थिति दिखाती है कि नवीन और स्पष्ट नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। नागेश्वरन ने कहा कि भारत को आपसी निवेश बढ़ाने और नए व्यापारिक अवसरों को उद्घाटन करने के लिए रचनात्मक आशावाद को बनाए रखना होगा।

यह न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा बल्कि आर्थिक विकास में भी मदद करेगा।

चीन ने 3000 साल पुरानी बुनाई तकनीक से स्टील्थ विमानों की कमजोरी दूर की

बीजिंग ।

चीन ने 3,000 साल पुरानी रेशम बुनाई तकनीक का उपयोग करके स्टील्थ लड़ाकू विमानों की रडार-शोषक कोटिंग को मजबूत करने में सफलता हासिल की है। इस तकनीक से विमान की स्टील्थ कोटिंग में आने वाली दरारों को ठीक किया जा सकता है, जिससे उसकी रडार से बचने की क्षमता बनी रहती है। वहीं अमेरिका अपने एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ विमानों की कोटिंग के क्षरण की समस्या से जूझ रहा है, जिससे विमान की स्टील्थ क्षमता प्रभावित होती है। स्टील्थ विमानों में इस्तेमाल होने वाली कोटिंग की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह तेज गति, उच्च वायुगतिकीय दबाव, रेगिस्तानी तूफानों और नमी के कारण जल्दी खराब हो जाती है। अमेरिका के लड़ाकू विमानों में हर तीन सप्ताह में इस कोटिंग को दोबारा लगाना पड़ता है, जिससे प्रति उड़ान घंटे 60,000 डॉलर तक की लागत आती है। वहीं चीन का दावा है कि उसने इस समस्या का समाधान प्राचीन बुनाई तकनीक के माध्यम से खोज लिया है। चीनी एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन और तियांगोंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने हान राजवंश (206 ईसा पूर्व-220 ईस्वी) की जैक्वार्ड बुनाई तकनीक से प्रेरित एक दोहरे परत वाले मिश्रित कपड़े का विकास किया है। इस कपड़े में ताना-बुनी गई प्रवाहकीय धागों की संरचना है, जो 8-26 जीएसजेड स्पेक्ट्रम की 90.6 फीसदी रडार तरंगों को अवशोषित कर सकती है। यह पारंपरिक कोटिंग की तुलना में अधिक प्रभावी है।

ओला ने अपने कर्मचारियों के लिए नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली शुरू की

- हर हफ्ते अपने द्वारा गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा

नई दिल्ली ।

ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने अपनी कंपनियों के कर्मचारियों के लिए एक नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की है। क्या चल रहा है? नामक इस पहल के तहत, कर्मचारियों को हर हफ्ते अपने द्वारा पूरे किए गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा। यह रिपोर्ट कंपनी के ईमेल पते और उनके प्रबंधकों को भेजी जाएगी। इंटरनल ईमेल में कहा गया कि आज से हम 'क्या चल रहा है?' शुरू कर रहे हैं, ताकि कर्मचारी सीधे मुझे और अपने प्रबंधकों को अपने साप्ताहिक अपडेट साझा कर सकें। इसमें आगे बताया गया कि सभी को क्या चल रहा है... वेबसाइट पर अपने अपडेट भेजने होंगे। रिपोर्ट की समयसीमा अगले दिन तय की गई, जबकि भविष्य में इसे हर रविवार को जमा करना अनिवार्य होगा। यह पहल ऐसे समय में आई है जब ओला अपने खर्चों में कटौती और मुनाफा बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओला इलेक्ट्रिक 1,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है, जो पांच महीनों में दूसरा बड़ा कटौती अभियान होगा। इससे खरीद, ग्राहक संबंध और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विभाग प्रभावित होंगे। इस नई रिपोर्टिंग प्रणाली को एलन मस्क की हाल ही में पेश की गई नीति से जोड़ा जा रहा है, जिसमें उन्होंने यूएस फेडरल कर्मचारियों को साप्ताहिक उपलब्धि रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। मस्क की इस नीति का उद्देश्य सरकारी कार्यों में जवाबदेही बढ़ाना था, हालांकि इसे कर्मचारियों के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव डालने के लिए आलोचना भी झेलनी पड़ी। भाविश अग्रवाल इससे पहले भी कर्मचारियों की परफॉर्मेंस को लेकर सख्त रुख अपना चुके हैं। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने एक इंटरनल ईमेल के जरिए खराब उपस्थिति पर कर्मचारियों को चेतावनी दी थी।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बीमा प्रीमियम में 10 फीसदी की वृद्धि पर रोक

- प्री मियम बढाने से पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने जारी किया एक परिपत्र, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि पर रोक लगाई गई है। 30 जनवरी, 2025 को जारी इस निर्देश के अनुसार कोई भी बीमा कंपनी 10 फीसदी से अधिक प्रीमियम वृद्धि नहीं कर सकेगी, और अगर वृद्धि करनी हो तो पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की वृद्धि को लेकर चिंता करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह निर्देश एक सकारात्मक कदम है। नियामक द्वारा निर्धारित सीमा का पालन करने से उन्हें सुरक्षित महसूस होगा कि उनका प्रीमियम विचारशीलता से निर्धारित है। बीमा कंपनियों को भी इस नए निर्देश का पालन करना होगा और वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें स्थिरता और विश्वसनीयता के साथ काम करना होगा। इस निर्देश की मान्यता से बीमा कंपनियों को ग्राहकों का भरोसा भी मिलेगा और इससे वरिष्ठ नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस निर्देश से स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तैराकी और उन्हें खरीदने की ऊर्जा बढ़ेगी। वरिष्ठ नागरिकों को अपने इस खर्च के लिए टेंशन नहीं लेनी पड़ेगी और भविष्य की योजनाएं बनाना और अनुकूलित करने में उन्हें आसानी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी रैंकिंग: विराट कोहली ने रोहित शर्मा को पछाड़ा, अफगानिस्तान के उमरजई बने नंबर-1 ऑलराउंडर, अक्षर पटेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने बुधवार को वनडे प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर बन गए हैं। उन्होंने हमवतन मोहम्मद नबी को दूसरे नंबर पर खिसका दिया है। उमरजई के खाते में फिलहाल 296 रेटिंग अंक हैं। ये उनके करियर के सर्वोच्च रेटिंग अंक हैं। उमरजई ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट हॉल लेने के अलावा 41 रनों की पारी खेली थी। अफगानिस्तान से हारने के कारण इंग्लैंड का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर बंध गया। उमरजई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 67 रन बनाए थे लेकिन मैच बारिश में धुल गया।

वहीं भारत के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बड़ा फायदा हुआ है। वह 17 स्थान की छलांग लगाकर 13वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने करियर के सर्वोच्च 194 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 42 और ऑस्ट्रेलिया के सामने 27 रन बनाए थे। उन्होंने एक-एक विकेट भी निकाला था। बल्लेबाजों की रैंकिंग में विराट कोहली को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह 747 अंकों के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा को दो स्थान का नुकसान हुआ है। रोहित टूर्नामेंट में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। ओपनर शुभमन गिल (791) टॉप पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के बाहर आजम (770) दूसरे स्थान पर हैं। टॉप-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज हैं।

वहीं गेंदबाजी की रैंकिंग में भारत के अनुभवी पेसर मोहम्मद शमी (609) को तीन स्थान का लाभ मिला है। वह अब 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 48 रन देकर तीन विकेट चटकाए। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराने के बाद फाइनल में एंट्री की है। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (649) तीन स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ आखिरी लीग मैच में पांच विकेट हॉल लिया था। श्रीलंकाई स्पिनर महेश तीक्षणा (680) नंबर वन गेंदबाज हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (660) दूसरे पायदान पर हैं। स्पिन कुलदीप यादव (637) टॉप-10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। वह छठे स्थान पर काबिज हैं।

लेब्रोन जेम्स ने रचा इतिहास, 50,000 करियर पॉइंट बनाने वाले पहले एनबीए खिलाड़ी बने

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता लेब्रोन जेम्स 50,000 करियर पॉइंट बनाने वाले इतिहास के पहले एनबीए खिलाड़ी बन गए हैं। 40 वर्षीय लॉस एंजिल्स लेकर्स स्टार ने मंगलवार को न्यू ऑरलियन्स पेलिकन्स के खिलाफ घर पर एनबीए रेगुलर सीजन गेम के दौरान तीन-पॉइंटर स्कोर करने के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

न्यू ऑरलियन्स पेलिकन्स के खिलाफ लेकर्स के मैचअप में जेम्स को सिर्फ एक पॉइंट की जरूरत थी। उन्होंने पहले क्वार्टर में 8:34 मिनट शेष रहते लुका डोनसिक फीड से लेफ्ट विंग से तीन-पॉइंटर लगाया। उन्होंने 34 पॉइंट, 8 रिबाउंड और 6 असिस्ट किए, जिससे लेकर्स ने पेलिकन्स पर 136-115 से जीत हासिल की।

अमेरिकी खिलाड़ी के संयुक्त स्कोर में अब 41,871 नियमित-सीजन अंक और 8,162 पोस्टसीजन अंक शामिल हैं। वह एनबीए के इतिहास में एक किशोर के रूप में और 40 वर्ष की आयु के बाद खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। पिछले महीने जेम्स एनबीए के इतिहास में 40 या उससे अधिक उम्र में एक खेल में कई 40 से अधिक अंक हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बने।

दिग्गज माइकल जॉर्डन एकमात्र अन्य 40 वर्षीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने 40 से अधिक अंक हासिल किए हैं। पिछले साल दिसंबर में जेम्स ने लॉस एंजिल्स लेकर्स की सैक्रामेंटो किंग्स पर जीत के दौरान लीग के इतिहास में सबसे अधिक मिनट खेलते हुए छह बार के एनबीए एमवीपी करीम अब्दुल-जब्बार को पीछे छोड़ दिया। वह 7 फरवरी, 2023 को अब्दुल-जब्बार के नियमित-सीज़न स्कोरिंग रिकॉर्ड को पार करने के बाद पहले से ही लीग के शीर्ष स्कोरर थे और 25 मई, 2017 को माइकल जॉर्डन के प्लेऑफ स्कोरिंग रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाएगी टीम : गंभीर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर लगता है अब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन से पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हुए हैं। गंभीर का मानना है कि टीम रविवार को होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में विराट कोहली के 84 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। इससे पहले टीम ने तीनो लीग मुकाबले भी जीते थे।

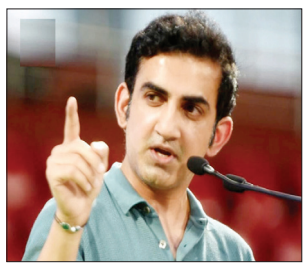

गंभीर ने मैच के बाद कहा, 'अंतरराष्ट्रीय खेल में आप लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। आप यह नहीं कह सकते कि पूरी तरह से सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। अभी तक हमने ऐसा नहीं किया है। मैं कभी भी प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं होऊंगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम 9 मार्च को चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'अभी हमें एक मैच और खेलना है। उम्मीद है कि वह सर्वश्रेष्ठ खेल होगा। हम लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और क्रिकेट के मैदान पर बेरहम लेकिन मैदान से बाहर विनम्र रहना चाहते हैं।

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अबतक चार स्पिनरों को उतारा है। वहीं अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने और केएल राहुल को छठे नंबर पर उतारने जैसे कई साहसिक फैसले भी लिए हैं। इसी को लेकर गंभीर ने कहा कि ये बदलाव इसलिए किया गया है ताकि खिलाड़ी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर अपना सर्वश्रेष्ठ करने प्रेरित हों। गंभीर ने कहा, 'क्रिकेट का मतलब अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना ही है। आप इसी तरह से निखरते हैं। अगर सभी कम्फर्ट जोन में रहेंगे तो जड़ता आ जाएगी। हमारे ड्रेसिंग रूम में सब कम्फर्ट जोन से बाहर रहते हैं, चाहे कोचिंग स्टाफ हो या खिलाड़ी और आगे भी वही करेंगे जो भारतीय क्रिकेट के लिये जरुरी है।

आईपीएल में इस बार आईसीसी नियमों के अनुसार मिलेगी सजा

मुम्बई (एजेंसी)। अगले माह होने वाले आईपीएल 2025 में अनुशासन तोड़ना अब खिलाड़ियों को भारी पड़ेगा। इस बार टीमों में काफी बदलाव भी देखने को मिलेगा। कई टीमों ने कप्तान तक बदले हैं। पिछली बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी जबकि पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे आईपीएल प्रबंधन ने मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन से जुड़े कई नियम अब पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। अब आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की आचार संहिता का पालन किया जाएगा। गर्वनिंग काउंसिल की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया। इसके तहत लेवल 1,2 और 3 के उल्लंघन पर खिलाड़ियों को आईसीसी के नियमों के मुताबिक सजा दी जाएगी। पहले लीग के अपने नियम होते थे, लेकिन अब आईसीसी द्वारा निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाएगा। आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 21 मार्च से होगा। यानी इस दिन टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर का रूल जारी रहेगा। हालांकि इम्पैक्ट प्लेयर रूल को लेकर पिछले साल काफी बवाल भी हुआ था। रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों ने इस रूल की आलोचना की थी। बावजूद इसके आगामी सीजन में इम्पैक्ट खिलाड़ियों का रूल जारी रहेगा।

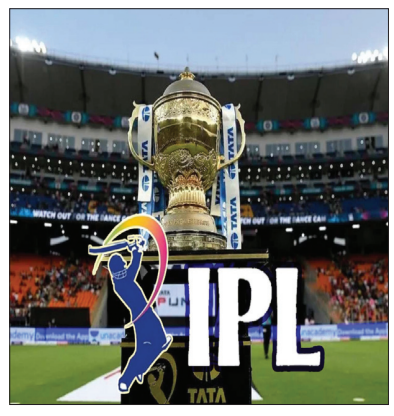

फियाटपे ने मुंबई इंडियंस के साथ करार किया

मुम्बई (एजेंसी)। 22 मार्च से शुरु होने वाले आईपीएल 2025 के लिए तैयारियों जोरों पर हैं। आईपीएल अब खेल के साथ ही बड़ा करोबार भी बना गया है। इसमें क्रिकेट के रोमांच के साथ ही तकनीक भी जुड़ गयी है। टीम के साथ ही मैदान में आने वाले दर्शकों को भी तेजी से भुगतान के लिए अच्छी सेवाएं मिलेंगी क्योंकि डिजिटल भुगतान की नामी कंपनी फियाटपे ने मुंबई इंडियंस के साथ करार किया है। यह साझेदारी सिर्फ ब्रांडिंग तक ही नहीं रहेगी। इसमें गति, सटीकता और उत्कृष्ट सेवा से पूरा ध्यान रहेगा। फियाटपे को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में तेज़ और सुरक्षित ट्रांजैक्शन्स के लिए जाना जाता है। अब मुंबई इंडियंस के साथ मैदान के भीतर और बाहर भुगतान के मामले वह देखेगी। फियाटपे ने पूरे देश में डिजिटल भुगतान को सरल और सहज बना दिया है। कंपनी का मानना है कि कि हर लेन-देन आसान अनुभव बने, ठीक वैसे ही जैसे क्रिकेट में एक बेहतरीन स्ट्रोक बिना किसी परेशानी के बल्ले से निकलता है।

मुंबई इंडियंस की गिनती आईपीएल की सबसे सफल टीमों में होती है। उनकी पहचान सिर्फ जीत से नहीं, बल्कि खेल की बारीकियों को समझने, रणनीतिक फैसले लेने और हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने से है। यही मूल्य फियाटपे भी अपने ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के माध्यम से प्रदान करता है। कंपनी का मानना है किजब मैदान पर मुंबई इंडियंस का कोई बल्लेबाज़ चौका या छक्का लगाता है, तो वह जितनी तेज़ी और सहजता से गेंद को बाउंड्री के पार भेजता है, फियाटपे उतनी ही गति और सटीकता से आपके पैसे के लेन-देन को पूरा करता है। फियाटपे को उम्मीद है कि इस करार से उसे काफी लाभ होगा क्योंकि पांच बार की विजेता मुम्बई इंडिया के प्रशंसकों की तादाद काफी बड़ी है।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरु होगा

गुलमर्ग । जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडटल्यूजी) 2025 के दूसरे चरण का आयोजन अब नये कार्यक्रम के अनुसार इसी माह नौ से 12 मार्च तक होगा। पहले ये खेल फरवरी में रखे गये थे पर कम बर्फबारी के कारण तब इनका आयोजन टाल दिया गया था। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उसने नौ से 12 मार्च तक खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 की मेजबानी की पूरी तैयारी कर ली है। इस टूर्नामेंट में देशभर के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे। यह शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण है जहां स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। वहीं इससे पहले खेलों का पहला चरण इसी साल जनवरी में लद्दाख के लेह जिले में आयोजित किया गया था जहां आइस-स्केटिंग और आइस-हॉकी स्पर्धाओं का आयोजन हुआ था।

स्मिथ ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लिया

दुबई । ऑस्ट्रेलिया के स्टार क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने भारतीय टीम के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया। स्मिथ की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलियाई टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरी थी। स्मिथ ने सेमीफाइनल में 73 रनों की अहम पारी खेली पर उनकी टीम के गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाये। एकदिवसीय प्रारुप में स्मिथ के करियर को देखते तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 170 मैचों में 5800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 164 रन का रहा। स्मिथ ने अपने करियर में कई ऐतिहासिक पारियां खेलीं और दो बार एकदिवसीय विश्वप कप विजेता टीम का वह हिस्सा रहे हैं। स्मिथ ने कहा, यह मेरे लिए एक अविश्वसनीय सफर रहा। मैंने एकदिवसीय क्रिकेट में कई बेहतरीन यादें बनाई हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि अगली पीढ़ी 2027 एकदिवसीय विश्वकप की तैयारी करे। स्मिथ ने भारतीय टीम के खिलाफ 30 एकदिवसीस मैचों में 1383 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा। वहीं उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 40 मैचों में 1245 रन बनाए, जिसमें 1 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं।

आईपीएल के पहले मैच में कप्तानी करते दिखेंगे सूर्या !

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकते हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निर्लंबित कर दिए गए थे।

सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं।

सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज ईडन गार्डंस में 22 मार्च को गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबले से होगा।

दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने संन्यास का फैसला लिया, जानें कब खेलेंगे आखिरी मैच

चेन्नई । भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल ने बुधवार को घोषणा की कि चेन्नई में इस महीने के आखिर में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) टूर्नामेंट 25 से 30 मार्च तक खेला जाएगा। 42 वर्ष के शरत कमल ने कहा, 'मैने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला था और आखिरी भी चेन्नई में ही खेलूंगा। यह पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा।' शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में छह स्वर्ण पदक जीते हैं जबकि एशियाई खेलों में दो कांस्य अपने नाम किए। पिछले साल पेरिस में पांचवां और आखिरी ओलंपिक खेलने वाले इस दिग्गज ने कहा, 'मैने राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। ओलंपिक पदक मैं नहीं जीत सका।' उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि मैं आने वाली युवा प्रतिभाओं के जरिए अपना सपना पूरा कर सकूंगा।'

धोनी ने भरोसा किया इतना ही बहुत है... सीएसके के कप्तान बनने पर बोले रुतुराज गायकवाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने उस पल को याद किया जब महेंद्र सिंह धोनी ने खुलासा किया था कि वह अब टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे और अपनी जिम्मेदारियां सलामी बल्लेबाज को सौंप दी। धोनी ने आईपीएल 2024 सीजन से पहले कप्तानी छोड़ दी थी। सीएसके ने गायकवाड़ को कप्तान बनाया जो 2019 से फ्रेंचाइजी के साथ हैं। 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से धोनी ने 212 मैचों में सीएसके का नेतृत्व किया, जिसमें 128 मैच जीते जबकि 82 मैच हारे। 2022 सीजन की शुरुआत में धोनी ने रवींद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी, लेकिन 8 मैचों के बाद वह कप्तान के रूप में लौट आए।

गायकवाड़ ने कहा कि वह भरोसा मेरे लिए बहुत मायने रखता है। पिछले साल टूर्नामेंट से ठीक एक हफ्ते पहले एमएस धोनी मेरे पास आए और कहा कि मैं इस साल कप्तानी नहीं कर रहा हूं - आप कर रहे हैं। मैं आश्चर्यचकित रह गया और पूछा- पहले गेम से? क्या आपको यकीन है? तैयारी के लिए बस कुछ ही दिन बचे थे, यह जबरदस्त था। लेकिन उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि यह आपकी टीम है। आप अपने निर्णय स्वयं लें। मैं हस्तक्षेप नहीं करूंगा - सिवाय इसके कि जब फील्ड प्लेसमेंट 50-50 कॉल हो। फिर भी मेरी सलाह मानना कोई मजबूरी नहीं है। सीएसके की कप्तान करते हुए धोनी ने पांच आईपीएल जीते। उन्होंने 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर अपना पूरा करियर सुपर किंग्स के साथ बिताया है। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा कि जब एक अत्यधिक अनुभवी कप्तान अभी भी मैदान पर है, तो उसकी उपस्थिति या तो फायदेमंद हो सकती है या जबरदस्त हो सकती है। कुछ खिलाड़ी आश्चर्यचकित हो सकते हैं। लेकिन धोनी का व्यक्तित्व असाधारण है - वह सुनिश्चित करते हैं कि बदलाव नए नेता पर हावी हुए बिना निर्बाध हो। कप्तान के रूप में गायकवाड़ के पहले सीजन में सीएसके 2024 आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। चेन्नई की टीम को अपने 14 मैचों के अभियान में सात जीत और हार मिली, जिससे वह नेट रन रेट के आधार पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से पांचवें स्थान पर रही। धोनी 2025 में टूर्नामेंट में अपना 18वां सीजन खेलेंगे और

उन्होंने अब तक 264 मैच खेले हैं और 24 अर्धशतकों के साथ 5234 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स ने भी उनकी लंबी उम्र का श्रेय धोनी को दिया और उम्मीद जताई कि यह सिलसिला आने वाले कई वर्षों तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि लाखों प्रशंसकों को क्रिकेट देखने और प्रेरित होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें श्रेय देना होगा।

वाणी कपूर ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 5वें चरण में बनाई बढ़त

गुरुग्राम। वाणी कपूर अंतिम लम्हों में दो बोगी करने के बावजूद बुधवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के पांचवें चरण में पहले दौर के बाद शीर्ष पर हैं। पिछले महीने चौथा चरण जीतने वाली वाणी दो अंडर 70 के स्कोर से शीर्ष पर हैं। उन्होंने अमनदीप द्राल पर एक शॉट की बढ़त बना रखी है जिन्होंने पहले दौर मं एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। बेहद तेज हवा के बीच सिर्फ वाणी और अमनदीप ही अंडर पार का स्कोर बना पाईं। रिया झा दो ओवर 74 के स्कोर से तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने एक ईगल और एक बर्डी की लेकिन पांच बोगी कर गईं जिससे उनका स्कोर दो ओवर रहा। एमेच्योर कीरत कांग, अनाहिता सिंह, ओविया रेड्डी, नेहा त्रिपाठी और रिद्धिमा दिलावरी चार ओवर 76 के स्कोर से संयुक्त रूप से चौथे पायदान पर हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बोले एश्टन एगर, आप कोहली पर दबाव नहीं बना सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। गेंदबाज अक्सर एकदिवसीय क्रिकेट में विराट कोहली को बांधने के लिए संघर्ष करते हैं और ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एश्टन एगर के अनुसार, इसका एक प्रमुख कारण स्ट्राइक रोटेट करने की उनकी बेजोड़ क्षमता है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की सेमीफाइनल जीत के बाद एगर ने कोहली की 84 रन की पारी को खेल प्रबंधन में 'मास्टरक्लास' बताया, और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अंतराल ढूंढने और स्कोरबोर्ड को चालू रखने की उनकी क्षमता दबाव बनाना लगभग असंभव बना देती है।

एगर ने कहा, 'उन्हें गेंदबाजी करने का यह निराशाजनक हिस्सा है। बात यह नहीं है कि वह बाउंड्री से कितना नुकसान करता है - बात यह है कि आप उस पर दबाव नहीं बना सकते। जब तक गेंद वास्तव में घूम नहीं रही हो तब तक आपको ऐसा कभी महसूस नहीं होता कि आप उसके ऊपर हैं। और आपको एकदिवसीय क्रिकेट में इस तरह की बहुत सारी पिचें नहीं मिलती हैं।'

कोहली की 98 गेंदों में 84 रन की पारी भारत के लक्ष्य का पीछा करने में अहम भूमिका रही क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 264 रन को 4 विकेट शेष रहते ही पार कर लिया। स्ट्रोकप्ले से अधिक, स्कोरबोर्ड को चालू रखने की उनकी क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को निराश किया। कोहली की पारी विकेटों के बीच दौड़ में मास्टरक्लास थी। उनके 84 रनों में से 64 रन एकल और दो रनों से आए, जो अनावश्यक जोखिम उठाए बिना पारी को आगे बढ़ाने की उनकी क्षमता का प्रमाण है।

एगर ने बताया कि स्पिन के खिलाफ कोहली की तकनीक, विशेष रूप से गेंद को पूरी तरह से रखने की उनकी क्षमता, उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन बल्लेबाजों में से एक बनाती है। उन्होंने कहा, 'उसके पास आपकी सर्वश्रेष्ठ गेंद को हिट करने की शानदार क्षमता है - मध्य स्टंप के शीर्ष पर, थोड़ा दूर घूमती हुई - बल्ले का चेहरा दूसरों की तुलना में थोड़ा अधिक समय तक पकड़कर। वह इसे आखिरी सेकंड में खोलता है और इसे कवर-पॉइंट गैप में मारता है। ऐसा करने में वह शायद दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है, और उस पर दबाव बनाना बहुत मुश्किल है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बादाम का दूध पीने से हो सकते हैं कुछ नुकसान

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है।

आज के समय में लोग दूध में लैक्टोज फ्री ऑप्शन चुनना पसंद करते हैं और ऐसे में वे बादाम के दूध का सेवन करते हैं। यह काफी लाइट होता है और इसका नटी टेस्ट होता है। शायद यही वजह है कि बादाम के दूध को ऐसे ही पीने के साथ-साथ कॉफी व स्मूदी में भी इस्तेमाल करते हैं। चूंकि, इसमें अक्सर रेग्युलर दूध की तुलना में कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने की जद्दोजहद करने वाले लोगों के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हर किसी के लिए बादाम का दूध पीना उतना सेहतमंद ऑप्शन नहीं है।

जबकि बादाम के दूध के अपने फ़ायदे हैं, इसके कुछ साइड इफ़ेक्ट भी हैं, जिन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बादाम का दूध पीने से होने वाले कुछ नुकसान के बारे में बता रहे हैं-

थायराइड से जुड़ी समस्याएं

जिन लोगों को थायराइड की शिकायत होती है, उनके लिए बादाम का दूध पीना शायद उतना अच्छा ऑप्शन नहीं है। दरअसल, बादाम में गोइट्रोजन होते हैं, जिन्हें अगर बहुत अधिक मात्रा में लिया जाता है, तो यह थायराइड फ़ंक्शन को बाधित कर सकते हैं। इसलिए, थायराइड से पीड़ित व्यक्ति को हर दिन बादाम का दूध पीने या फिर इसे बहुत अधिक मात्रा में पीने से बचना चाहिए।

किडनी स्टोन का बढ़ सकता है रिस्क

बादाम का दूध किडनी स्टोन की समस्या के रिस्क को भी बढ़ा सकता है। दरअसल, बादाम में ऑक्सालेट होते हैं, जो कुछ लोगों में किडनी स्टोन के गठन में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, जिन लोगों को पहले से ही किडनी स्टोन होने का खतरा है, उन्हें बादाम के दूध सहित बादाम से बने बहुत सारे प्रोडक्ट्स का सेवन करने से बचना चाहिए।

पेट से जुड़ी समस्या

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ लोगों को ब्लोटिंग, गैस या पेट में हल्की ऐंठन की शिकायत भी हो सकती है।

चेन्नई पर्यटन स्थलः दक्षिण भारत का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक हब

"महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।"

चेन्नई, जिसे पहले मद्रास के नाम से जाना जाता था, भारत के तमिलनाडु राज्य की राजधानी है और यह दक्षिण भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। चेन्नई की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थल, सुंदर समुद्र तट, और आधुनिक जीवनशैली इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह शहर न केवल अपने व्यापारिक महत्त्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के ऐतिहासिक मंदिरों, संगीत, नृत्य और काव्य कला के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं चेन्नई के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. महाबलीपुरम

महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। विशेष रूप से फ्रपंच रथफ्र और फ्रअरजुन की तपस्याफ्र जैसे स्थल यहाँ की ऐतिहासिक धरोहर को उजागर करते हैं।

2. कापालेश्वर मंदिर

चेन्नई में स्थित कापालेश्वर मंदिर एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के आसपास का वातावरण भक्तों को शांति और ध्यान की अनुभूति कराता है। यह मंदिर चेन्नई के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

3. सेंट थॉमस चर्च

सेंट थॉमस चर्च, जो चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट पर स्थित है, एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह चर्च ईसाई धर्म के एक प्रमुख स्थल के रूप में पहचाना जाता है, क्योंकि कहा जाता है कि यहां सेंट थॉमस की ममी दफनाई गई थी। यहां का शांत वातावरण और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

4. विवेकानंद हाउस

विवेकानंद हाउस, जो चेन्नई के समुद्र तट के पास स्थित है, स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान को समर्पित एक संग्रहालय है। यहां आप स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके कार्यों के बारे में जान सकते हैं। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय संतों और उनके विचारों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।

5. अन्ना सलाई

अन्ना सलाई, जिसे मार्सल रोड भी कहा जाता है, चेन्नई का एक प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्र है। यहां पर विभिन्न व्यापारिक केंद्र, शॉपिंग मॉल्स, रेस्टोरेंट्स और कैफे हैं, जो इसे शॉपिंग और खाने-पीने के शौकिनों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह क्षेत्र चेन्नई की आधुनिक जीवनशैली को दर्शाता है।

6. ईक्विनॉक्स बीच

चेन्नई के समुद्र तटों में एक प्रमुख नाम ईक्विनॉक्स बीच का है। यह बीच पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है क्योंकि यहाँ पर शांति और सुकून का अनुभव होता है। सुबह और शाम के समय समुद्र के पास घूमना या बैठना एक अद्भुत अनुभव होता है। यहां का वातावरण स्वच्छ और शांतिपूर्ण होता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

7. वेलाचेरी झील

यदि आप प्रकृति से जुड़ना चाहते हैं, तो वेलाचेरी झील एक बेहतरीन स्थल है। यह एक शांत और सुंदर झील है, जहाँ आप पैदल चलने, बोटिंग करने या सिर्फ दृश्य का आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। यह स्थल शहर के शोर-शराबे से दूर आराम और सुकून का अनुभव प्रदान करता है।

8. मरीना बीच

मरीना बीच, चेन्नई का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है और यह भारत का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है। यहां पर घूमने का अनुभव बहुत ही अद्भुत होता है। खासकर सुबह और शाम के समय यहाँ की हवा और समुद्र का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। यहाँ के किनारे पर चलना, सूर्योदय और सूर्यास्त का नज़ारा देखना एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

9. चित्तारन मंदिर

चित्तारन मंदिर चेन्नई के पास स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां भगवान शिव के नटराज रूप की पूजा की जाती है और यह स्थान भारतीय हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्रों में से एक है।

10. कांची काचीयमंगलम

कांची काचीयमंगलम, जो चेन्नई से लगभग 70 किलोमीटर दूर है, तमिलनाडु का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहाँ के प्राचीन मंदिर और हस्तशिल्प उत्पादों के लिए कांची काचीयमंगलम प्रसिद्ध है। यह स्थल इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श है।

चेन्नई एक विविधताओं से भरा हुआ शहर है, जहां पर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का एक बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। यहां का प्रत्येक स्थल अपनी अलग पहचान और आकर्षण से भरपूर है। चाहे आप धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए जाएं या समुद्र के किनारे शांति का अनुभव करना चाहें, चेन्नई हर प्रकार के पर्यटकों के लिए आदर्श गंतव्य है।

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन का लेवल कितना होना चाहिए?

2-5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

डॉक्टर और विशेषज्ञ हमेशा जरूरी मात्रा में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने की सलाह देते हैं. दरअसल, आहार से प्राप्त पोषण इम्यून सिस्टम और हमारे शरीर की सभी प्रणालियों के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. आहार से मिलने वाले न्यूट्रिएंट्स और मिनरल्स जैसे कि आयरन, प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम आदि शरीर की सभी इंटरनल सिस्टम को सही और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. साथ ही, इन न्यूट्रिएंट्स और कई आंतरिक शारीरिक गतिविधियों के कारण हमारे शरीर में कुछ खास तरह के तत्व और तरल पदार्थ भी बनते हैं, जो शरीर को अलग-अलग तरह से पूरी तरह स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाते हैं.

हीमोग्लोबिन भी एक तरह का प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है. खून में हीमोग्लोबिन की कमी एनीमिया यानी खून की कमी का संकेत माना जाता है. वहीं, अगर खून में हीमोग्लोबिन जरूरत से ज्यादा कम होने लगे तो इससे न सिर्फ हमारी शारीरिक और मानसिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं बल्कि कई बार कम या ज्यादा गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं.

खून में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर होना महत्वपूर्ण है

दिल्ली की पोषण विशेषज्ञ डॉ दिव्या शर्मा बताती हैं कि हीमोग्लोबिन हमारी रेड ब्लड सेल्स यानी (आरबीसी) में पाया जाने वाला महत्वपूर्ण प्रोटीन है, जो खून के माध्यम से हमारे पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य करता है. शरीर में जब हीमोग्लोबिन की मात्रा ज्यादा कम हो जाती है, तो शरीर के सभी अंगों, उत्तकों और कोशिकाओं में आवश्यक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने लगती हैं. यह स्थिति कई रोगों तथा समस्याओं का कारण बन सकती हैं.

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन कितना होना चाहिए

डॉ. दिव्या बताती हैं कि पुरुष, महिला और बच्चों में इसकी आदर्श मात्रा अलग-अलग होती है, उदाहरण के लिए सामान्य स्थिति में नवजात शिशु में हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर 17.22 ग्राम/डीएल माना जाता है, जबकि बच्चों में यह 11.13 ग्राम/डीएल होता है. वहीं, एक वयस्क पुरुष के रक्त में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर 14 से 18 ग्राम/डीएल और एक वयस्क महिला में 12 से 16 ग्राम/डीएल माना जाता है. वयस्कों में इस संख्या में एक या दो अंकों की कमी आमतौर पर बहुत गंभीर नहीं मानी जाती है, लेकिन अगर रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 8 ग्राम या उससे नीचे चला जाए तो इसे चिंताजनक स्थिति माना जाता है. इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी हो जाता है.

2 से 5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

2 से 5 साल की उम्र के बच्चे में हीमोग्लोबिन का स्तर 11.5 से 13.5 ग्राम प्रति डेसीलिटर होना चाहिए. यह स्तर बच्चे के विकास और अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है.

शरीर में एनीमिया के लक्षण

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी या एनीमिया की समस्या होने पर पीड़ित लोगों में कई बार कम या ज्यादा तीव्रता में कुछ शारीरिक व मानसिक समस्याएं नजर आने लगती हैं. जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं.

लगातार या जल्दी जल्दी सिर दर्द होना

सांस फूलना तथा चक्कर आना

थकान और कमजोरी

शरीर में अकड़न महसूस होना

लो ब्लड प्रेशर या लो बीपी

शरीर में एनर्जी में कमी

चिड़चिड़ापन तथा घबराहट होना

सीने में दर्द

तेज या अनियमित दिल की धड़कन

खून की कमी

ज्यादा ठंड लगना और हाथ और पैर ठंडे होना

एकाग्रता में कमी

हड्डियों में कमजोरी

कमजोर इम्यूनिटी या इम्यूनिटी से संबंधित रोग

महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान ज्यादा दर्द होना , आदि.

ये हैं खून की कमी के कारण

डॉ. दिव्या बताती हैं कि हमेशा शरीर में पोषण की कमी ही ब्लड में हीमोग्लोबिन कम होने का कारण नहीं होती. कई बार आनुवंशिक कारणों, सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवंशिक समस्याओं, कैंसर, थैलेसीमिया, किडनी की समस्याओं, लिवर की बीमारी जैसी कुछ बीमारियों या शारीरिक समस्याओं, ऑटोइम्यून बीमारी, बोन मैरो डिसऑर्डर और थायरॉयड रोग जैसी कुछ पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों के कारण भी हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो सकता है. इसके अलावा, जिन लोगों के ब्लड में हीमोग्लोबिन की मात्रा अपेक्षित संख्या से कम होती है, उन्हें कभी-कभी अवसाद, उदासीनता, उनींदापन और चिड़चिड़ापन और संज्ञानात्मक और तार्किक क्षमता में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है.

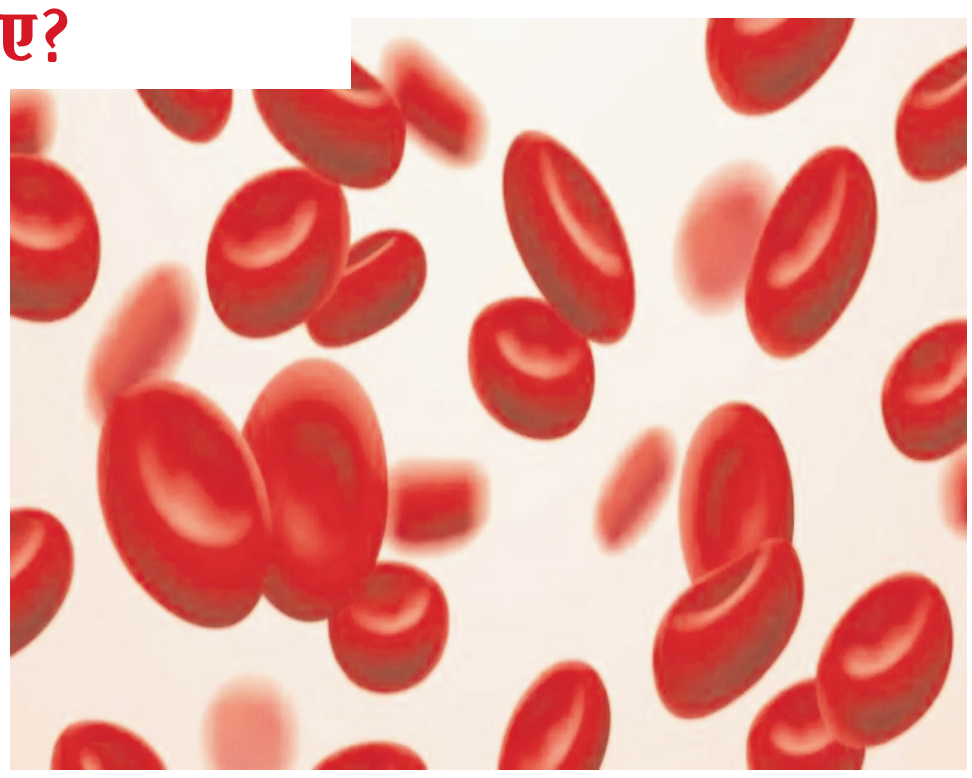

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

होली से पहले बिहार में 12 अवैध देशी शराब की भट्टियों को खत्म किया

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद होली पर अवैध शराब कारोबारियों की सक्रियता को देखकर पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोन नदी के तटीय क्षेत्र में छापेमारी कर करीब 12 अवैध देशी शराब की भट्टियों को खत्म किया है। इस कार्रवाई में शराब बनाने के सभी उपकरणों को जब्त कर आग के हवाले कर दिया। साथ ही अर्ध निर्मित शराब को भी नष्ट किया गया। पुलिस की सूचना मिलते ही शराब माफिया सोन नदी के रास्ते फरार हो गए। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि सोन नदी के इलाके में अवैध रूप से देशी शराब की भट्टियां चल रही हैं। इस पर थाना प्रभारी ने तीन टीमें गठित कर छापेमारी की थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को कई शराब भट्टियां चलते हुए मिलीं। इधर, पूरे मामले पर पुलिस अधिकारी ने बताया कि होली को लेकर अवैध शराब के खिलाफ अभियान चल रहा है। सोन नदी के किनारे पुलिस काफी कम पहुंच पाती है। इसकारण शराब माफिया अपना साम्राज्य कायम किए हुए थे। लेकिन, पुलिस लगातार अवैध देशी शराब के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। करीब हजारों लीटर अंग्रेजी शराब को नष्ट किया गया है। कई शराब के भट्टियों को ध्वस्त किया गया है।

राहुल गांधी के मामले में कोर्ट में दाखिल हुआ वकालतनामा

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर वाद के मामले में उनके वकील प्रियांशु अग्रवाल और यासीर अब्बासी बुधवार को बरेली पहुंचे। लखनऊ से आए वकीलों ने कोर्ट में वकालतनामा दाखिल किया। राहुल गांधी का आधार कार्ड भी जमा किया गया है। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए के विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकीलों ने जवाब देने के लिए पांच सप्ताह का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने दो अप्रैल की तारीख दी है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया गया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से जून 2024 में निजी कोर्ट में अर्जी दी गई थी, जिसमें राहुल गांधी के बयान से भावनाएं आहत होने का आरोप लगाकर मुकदमा कायम करने की अपील की गई थी। उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने रिवीजन याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसकी निगरानी स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए में चल रही है। मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कई समन जारी हो चुके हैं। विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि समन पर राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए। पिछली तारीख पर उनके वकील द्वारा यह दलील दी गई कि राहुल गांधी के खिलाफ जो समन भेजे गए हैं, वो तामील हो गए हैं। डाक से स्पीड पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट दाखिल की गई थी। जिसके बाद बुधवार को राहुल गांधी के वकीलों ने वकालतनामा दाखिल किया है।

बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश की 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण में पुलिस के साथ एक एनजीओ ने विभिन्न जगहों पर ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया गया है। सभी लड़कियां बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, जिन्हें एलबम में काम करने के नाम पर लाया गया था। इन लड़कियों को आर्केस्ट्रा में डांस कराया जाता था। मामले में एनजीओं ने संचालकों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आवेदन दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रेस्क्यू की गई लड़कियों को सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान एलबम में काम कराने के बहाने पटना बुलाया गया। फिर एक दो एलबम में डांसर के रूप में काम करवाया गया। फिर आर्केस्ट्रा में पैसे का लालच देकर डांस कराया जाने लगा। ये सभी गरीब परिवार से हैं। मजबूरी में इन्हें आर्केस्ट्रा में काम करना पड़ रहा था। एनजीओ संचालक ने बताया कि जिले के तीन थाना क्षेत्र से 14 लड़कियों को रेस्क्यू किया है, इसमें अधिकतर लड़कियां उत्तर प्रदेश और बंगाल की रहने वाली हैं। यहां काम कर रहीं नाबालिग लड़कियों के बारे में सूचना मिली थी।

मिजोरम में बीयर बिक्री की इजाजत दे सकती है सरकार

आईजोल (एजेंसी)। मिजोरम राज्य में फल और चावल से बनी शराब और बीयर की बिक्री की अनुमति दी जा सकती है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। वहीं, सीएम ने साफ कहा कि मौजूदा शराबबंदी कानून को हटाने के बारे में वह नहीं सोच रहे हैं। मिजोरम की जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सरकार बुधवार को शराब और बीयर पर संशोधन बिल लाने जा रही है। विभागीय मंत्री लालनगिहलोवा हमार उस बिल पेश करेंगे, जिसमें राज्य के भीतर उत्पादन होने वाले चावल और फल से बनी शराब और बीयर की बिक्री, वितरण और निर्माण की अनुमति देने का प्रस्ताव है। यह केवल लाइसेंस धारकों के लिए होगा। साथ ही यह बिल राज्य में पारंपरिक मिजो शराब की बिक्री की भी इजाजत देगा। सीएम ने विधानसभा में 2025-26 के बजट को पेश करने के बाद पत्रकारों से कहा कि उनकी सरकार शराब की दुकानों को खोलने की इजाजत नहीं देगी, लेकिन राज्य में स्थानीय रूप से उत्पादित शराब और बीयर की बिक्री को नियंत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले पर चर्चों से परामर्श लिया गया है और उन्होंने इस फैसले पर अपनी सहमति दी है। सरकार ने मार्च 2024 में विधानसभा में यह जानकारी दी थी कि वह राज्य के शराब प्रतिबंध कानून की समीक्षा करेगी, जो राज्य में शराब की बिक्री और खपत को प्रतिबंधित करता है। कई क्षेत्रों से शराब प्रतिबंध को हटाने और शराब की दुकानों को खोलने की मांग उठ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ऐसी अपीलों पर विचार नहीं करेगी। बता दें कि 2019 में मिजोरम में शराब पर प्रतिबंध फिर से लागू किया गया था। इससे पहले भी राज्य में शराब प्रतिबंध थे। 1984 में मिजोरम निषेध अधिनियम, 1973 के तहत शराब की दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई थी, लेकिन 1987 में उन्हें बंद कर दिया गया था।

उद्धव ठाकरे ने अबू आजमी के स्थायी निलंबन की मांग की, अखिलेश यादव को भी दे डाली नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने औरंगजेब के संबंध में अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी की आलोचना की और राज्य विधानसभा से उनके स्थायी निलंबन की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें स्थायी रूप से निलंबित किया जाना चाहिए। यह सिर्फ बजट सत्र के लिए नहीं होना चाहिए, निलंबन स्थायी होना चाहिए। इससे पहले दिन में, अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष ने निलंबित कर दिया था।

इस बीच, ठाकरे ने अपने निलंबन पर आपत्ति जताने वाले विधायक अबू आजमी का समर्थन करने के लिए यूपी के पूर्व सीएम और एसपी प्रमुख अखिलेश यादव की भी आलोचना की। उन्होंने अखिलेश यादव से कहा कि अगर वे चाहें तो आजमी को यूपी से चुनाव लड़वा दें, क्योंकि पूरे महाराष्ट्र ने उनके बयान पर आपत्ति जताई है। मीडिया से बात करते हुए, ठाकरे ने अखिलेश पर हमला किया और कहा, ÷अगर वह आपत्ति करना चाहते हैं तो उन्हें आपत्ति करने दें। पूरे महाराष्ट्र ने उनके खिलाफ आपत्ति जताई है। अगर वह चाहते हैं, तो उन्हें वहां (यूपी) से चुनाव लड़ना चाहिए। वह सच्चाई नहीं जानते हैं।÷

शिव सेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर कोई औरंगजेब की प्रशंसा करता है या छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करता है, तो उस व्यक्ति के लिए भारत या महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। अबू आजमी बीजेपी की बी टीम हैं। उन्होंने कहा कि जब भी बीजेपी महाराष्ट्र में मुसीबत में आती है, वे अबू आजमी को सक्रिय करते हैं। पिछले सत्र में यही हुआ था। महाराष्ट्र में बीजेपी मुसीबत में आ गई, इसलिए उन्होंने अबू आजमी को सक्रिय किया। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए निलंबन पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने लिखा कि निलंबन का आधार यदि विचारधारा से प्रभावित होने लगेगा तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और परतंत्रता में क्या अंतर रह जाएगा। हमारे विधायक हों या सांसद उनकी बेख़ौफ़ दानिशमंदी बेमिसाल है। कुछ लोग अगर सोचते हैं कि 'निलंबन' से सच की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर ये उनकी नकारात्मक सोच का बचपना है। आज़ाद ख़्याल कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

योगी ने अबू आजमी को बुलाया यूपी, मैं करता हूं उनका इलाज

मुंबई। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने के बाद महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी को पूरे बजट सत्र से सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र का बजट सत्र 3 को शुरू होकर 26 मार्च को खत्म होगा। महाराष्ट्र सरकार में संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने सदन में एक प्रस्ताव पेश कर कहा कि आजमी ने जो टिप्पणी की, उससे सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, इसकारण उनकी सदस्यता को बजट सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव को सदन में अध्यक्ष ने पारित कर दिया।

उधर यूपी बजट सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने विधान परिषद में अबू आजमी के बयान का जिक्र किया। योगी ने कहा कि भारत की आस्था को रौंदने वाले का महिमामंडन करने वाले सदस्य को सपा से बाहर निकाल देना चाहिए। उन्हें (अबू आजमी) यहां बुलाइए। उत्तर प्रदेश इसतरह के लोगों का उपचार करने में देर नहीं करता।

उमर के विधायक का जागा पाकिस्तान प्रेम, कश्मीर समस्या के हल के लिए बात करें

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और खानयार से विधायक अली मोहम्मद सागर ने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है।

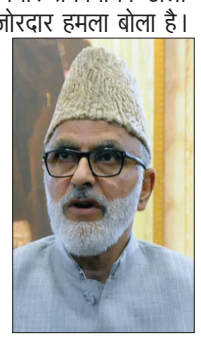

उन्होंने कहा कि कश्मीर समस्या का हल निकालने के लिए पाकिस्तान को बातचीत में शामिल करना जरूरी है। विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर विधायक सागर ने कहा कि बीजेपी खुद को देश का ठेकेदार समझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों को कभी इख्वानी कहा जाता था, उन्हें अब बीजेपी की फौज बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी असली पहचान तभी बनेगी जब वे सही फैसला लें। सागर ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता ने उमर और फारूक अब्दुल्ला के पक्ष में जनादेश दिया है। उन्होंने पूछा कि अगर चुनाव सही तरीके से हुए, तब यह भी माना जाना चाहिए कि वहां जीतकर कौन आया है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह धर्म के नाम पर लोगों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर बच्चा अब बीजेपी की राजनीति को समझ चुका है और उस पर हंस रहा है। वहीं सागर के बयान पर बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान दुखद हैं।

मोदी सरकार सहकार से शक्ति, सहयोग और समृद्धि : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए यह संदेश दिया कि, ग्रामीण पलायन की समस्या का समाधान करने के साथ छोटे किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डेयरी एक महत्त्वपूर्ण विकल्प है। डेयरी सेक्टर ने आज सर्कुलरिटी के संबंध में गुड प्रैक्टिसिस को 250 दूध उत्पादक संघों तक पहुँचाने की विजनरी शुरूआत की है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि देश के साथ-साथ ग्रामीण विकास और भूमिहीन छोटे किसानों को समृद्ध बनाने में भारत का डेयरी क्षेत्र बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। पोषण की चिंता, देश को दुनिया का नंबर एक दूध उत्पादक बनाने में योगदान देना और किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान करने में डेयरी क्षेत्र अहम भूमिका निभाता है। कृषि, डेयरी, मत्स्यपालन, बुनाई, ऋण और व्यापार सहित कई प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ सहकारिता क्षेत्र को आजादी के बाद भी वर्षों तक उपेक्षा का शिकार बना कर रखा गया था, जबकि देश की आधी से ज्यादा आबादी किसी-न-किसी रूप में सहकारिता से जुड़ी हुई है। ऐसे में, सकारिता क्षेत्र को एक नया क्षितिज प्रदान करने के लिए मोदी सरकार ने जुलाई, 2021 में सहकारिता मंत्रालय के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, जिसका कार्य भार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया। जहाँ मोदी जी ने स्वायत्त सहकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने का काम किया, वहीं जन कल्याण से जुड़ी नीतियों के लिए प्रसिद्ध भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता की नींव को मजबूत बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में हिंदी भाषा को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने

स्थानीय पार्टियां भाषा या जाप-पात के नाम पर बनती हैं- अर्जुन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी भाषा को लेकर तमिलनाडु की सरकार ने केंद्र पर आरोप लगाया है कि वह नई शिक्षा नीति 2020 के तहत तीन भाषाओं के फॉर्मूले पर हिंदी भाषा जबरन थोप रही है। तमिलनाडु में भाषा विवाद पर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने आ गए हैं। तमिलनाडु में भाषा विवाद को लेकर बीजेपी नेता अर्जुन सिंह ने कहा कि इस देश में संविधान ने 22 भाषाओं को मान्यता दी है। निश्चित रूप हिंदी भाषा देश की भाषा है। इस देश का दुर्भाग्य है कि जितनी भी स्थानीय पार्टियां बनती हैं, वह या तो भाषा के नाम पर बनती हैं या जात-पात के नाम पर, लेकिन जब राजनीतिक शासन करने की बात आई तो लोगों ने कहीं धर्म के नाम पर, कहीं जाति के नाम पर या फिर भाषा के नाम पर लड़वाया जाता है। हमारे देश के जवान हैं, वह हर प्रांत से आते हैं और हर भाषा को बोलने वाले होते हैं, फिर भी एक साथ काम करते हैं।

तमिलनाडु में भाषा विवाद पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि बीजेपी कुछ भी कर सकती है। वे हिंदी थोप सकते हैं, धर्म थोप सकते हैं। भाषा की लड़ाई पहले भी होती रही है। उन्होंने कहा कि पहले यह तय किया गया था कि तीन भाषा का फॉर्मूला रहेगा। अंग्रेजी, मातृ भाषा और हिंदी। जिस तरह से बीजेपी हिंदी भाषा को थोपकर जनाधार खड़ा करना चाहती है, वह सही नहीं है, आप उन पर हिंदी नहीं थोप सकते हैं।

बता दें कि तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने कहा था कि केंद्र सरकार स्कूली छात्रों के लिए धन मुहैया कराने के लिए त्रिभाषा नीति लागू कर रही है, लेकिन तमिलनाडु ने अपनी सफलता के लिए दो-भाषा नीति को अपनाया है। सीएम ने कहा कि तमिलनाडु ने अपनी मातृभाषा तमिल के साथ-साथ अंग्रेजी को तरजीह दी है, हिंदी की बजाय अंग्रेजी को अपनाकर राज्य ने दुनिया से संवाद स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने

हिंदी को थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाई है और अब उत्तरी राज्यों से भी इसे समर्थन मिल रहा है।

मणिशंकर अय्यर के बयान पर सफाई में उतरी कांग्रेस, हरीश रावत ने बताया फरस्टेटेड व्यक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी ने बुधवार को एक नया विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी को पहले कैम्ब्रिज में और फिर इंपीरियल कॉलेज में दो बार शिक्षाविदों में असफल बताया। अपनी ही पार्टी के प्रधान मंत्री की आलोचना करने वाले अय्यर की टिप्पणी ने सत्तारूढ़ भाजपा को सबसे पुरानी पार्टी पर हमले को तेज करने के लिए नया हथियार दे दिया है। हालांकि, अब कांग्रेस मणिशंकर अय्यर के इस बयान के बाद सफाई में आ गई है और भाजपा पर निशाना भी साध रही है।

कांग्रेस सांसद कुँवर दानिश अली ने कहा कि राजीव गांधी को देश में आईटी क्रांति और आधुनिकीकरण लाने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत भी की थी। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो फ्रस्टेटेड व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि मैं राजीव गांधी को जानता था, जिन्होंने देश को आधुनिक दृष्टिकोण दिया।

उन्होंने अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिए भी ठोस कदम उठाये। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी (कांग्रेस) का एक वर्ग उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, वरना देश का इतिहास कुछ और होता। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके भाषण आज भी नेताओं का मार्गदर्शन करते हैं।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि अमित मालवीय को चीजों को संपादित करने की आदत है। इसमें कितना सही है और कितना गलत ये तो मणिशंकर ही बता सकते हैं। लेकिन सवाल यह नहीं है कि राजीव गांधी पास हुए या फेल। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी कैसे थे? प्रधानमंत्री बनने के बाद राजीव गांधी ने किस तरह के काम किये? अगर आपको राजीव गांधी का विश्लेषण करना है तो आपको उनके काम का विश्लेषण करना होगा।

उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि बीजेपी वाले पीएम की डिग्री दिखाने को भी तैयार नहीं हैं। पीएम खुद कहते हैं कि वह चाय बेचते थे और मैट्रिक पास कर चुके हैं, लेकिन हम उन्हें उनकी शिक्षा के कारण नहीं देखते हैं। हम उन्हें पीएम के तौर पर उनके काम की वजह से देखते हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री कभी कैम्ब्रिज नहीं गए लेकिन वह एक सक्षम प्रधान मंत्री थे। इसलिए राजीव गांधी एक सक्षम प्रधानमंत्री थे। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है।

एफआईआर में जाति का जिक्र क्यों? हाईकोर्ट ने यूपी डीजीपी से मांगा जवाब

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी के डीजीपी से सवाल पूछा है। कोर्ट ने कहा है कि वे बताएं कि आखिर एफआईआर में जाति लिखने की क्या जरूरत है और इससे क्या फायदा होता है। जस्टिस विनोद दिवाकर ने संस्थागत पूर्वाग्रह और कुछ समुदाय के साथ सौतेले बर्ताव के खतरे को लेकर भी चिंता जताई। कोर्ट ने डीजीपी को आदेश दिया कि वह पर्सनल एफिडेविट दाखिल करें। अगली तारीख पर वह बताएं कि आखिर किसी मामले की एफआईआर में संदिग्धों की जाति लिखने की क्या जरूरत है। एक ऐसे समाज में ऐसा क्यों जरूरी है, जहां जाति एक संवेदनशील मसला है और उसके नाम पर समाज में विभाजन की स्थिति पैदा हो सकती है।

जज ने कहा कि संविधान इस बात की गारंटी देता है कि देश में जातिगत भेदभाव खत्म हो। सभी के लिए समानता और गरिमा के साथ बर्ताव किया जाएगा। पक्षपात के साथ न्याय की

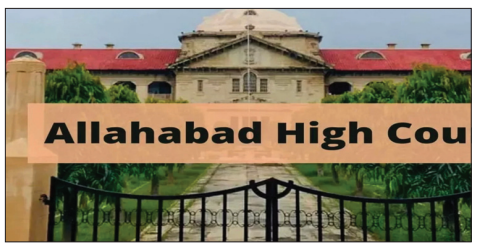

परिभाषा पूरी नहीं होती है। न्याय सभी के लिए एक समान और एक जैसे तरीके से होना चाहिए। जस्टिस दिवाकर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं में जाति और धर्म के उल्लेख करने पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि था कि याचिका में जाति या धर्म लिखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होता। इसकी बजाय भेदभाव को ही बढ़ा देता है। दरअसल यह मामला 2023 में दायर एक केस को लेकर सुनवाई का है। इटावा पुलिस ने 2013 में आईपीसी और एक्साइज ऐक्ट के तहत एक केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपी बनाए गए शख्स को लेकर पुलिस का दावा था कि वह एक अन्य शख्स के साथ कार में सवार था। जांच के दौरान गाड़ी से व्हिस्की की 106 बोतलें पाई गईं। इन बोतलों पर लिखा था- केवल हरियाणा में बिक्री के लिए। उससे पूछताछ के बाद एक और कार को पकड़ा, जिससे 237 बोतलें बरामद हुई थीं। इस मामले में पुलिस का दावा था कि आरोपी गैंग लीडर है, जो हरियाणा से शराब लाता है और उसकी बिहार में बिक्री होती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि हरियाणा से सस्ती शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामों पर बेची जाए, जहां शराब पर बैन है। इस काम से वे मोटा मुनाफा कमा रहे थे।

ऐसा करने के लिए आरोपियों की ओर से अलग-अलग गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाता था। कई बार एक ही गाड़ी को नंबर प्लेट बदलकर इस्तेमाल किया जाता था। इस मामले की एफआईआर पढ़ने के बाद कोर्ट ने पाया कि सभी आरोपियों की जाति का भी जिक्र किया गया है। इसको अदालत ने आपत्तिजनक माना और डीजीपी से जवाब मांगा है।

केजरीवाल के वीआईपी कल्चर पर स्वाति मालीवाल का तंज, ट्रंप से बड़ा काफिला लेकर चल रहे

-भाजपा का आरोप, विपासना के नाम पर ढोंग और नौटंकी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के करीब एक माह बाद पूर्व सीएम और आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे हैं। वे अपनी पत्नी सुनीता के साथ आनंदगढ़ में 10 दिवसीय विपश्यना सत्र में शामिल होकर ध्यान लगाएंगे। इस बीच केजरीवाल के काफिले का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

दरअसल केजरीवाल कभी नेताओं के वीआईपी कल्चर का विरोध करते थे, लेकिन जब वे पंजाब पहुंचे, तब उनकी गाड़ियों का लंबा काफिला दिखाई दिया। पूर्व सीएम के काफिले का वीडियो वायरल होने पर आप की बागी और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल पर तंज कसा है।

स्वाति ने काफिले का वीडियो शेयर कर लिखा कि केजरीवाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा

लेकर घूम रहे हैं। राज्यसभा सांसद स्वाती ने लिखा, जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज खुद ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं।

वहीं बीजेपी भी केजरीवाल के काफिले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेर रही है। बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ऐसी विपासना का क्या फायदा जहां सादगी और आत्मचिंतन की जगह 50 गाड़ियों के काफिले में अहंकार और दिखावा हो? केजरीवाल की ये नकली सादगी एक और नौटंकी है, जो व्यक्ति भ्रष्टाचार और अहंकार में डूबा हो, वहां विपासना के असली अर्थ को क्या समझेगा? जनता सब देख रही है!

वहीं आम आदमी पार्टी की ओर से बताया गया कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने केजरीवाल को सुरक्षा दी है। कांग्रेस और बीजेपी वाले मिले हुए हैं। केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं और न ही पंजाब के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं।

बैंक से लोन लेने में महिलाएं भी पुरुषों से पीछे नहीं, हर साल बढ़ रही दर

-रिपोर्ट से हुआ खुलासा, 38 फीसदी ने सोना गिरवी रखकर लिया पर्सनल लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोन लेने के मामले में अब महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। वे बैंकों से पैसा उठा रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लोन लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले पांच सालों में 22 फीसदी सालाना दर से बढ़ी है। महिलाओं ने 42 फीसदी पर्सनल लोन अपने उपभोग से जुड़ी वस्तुओं और घर खरीदने के लिए लिया है। बैंक से लोन लेने वाली महिलाएं मुख्य रूप से सेमी-अर्बन और रूरल इलाकों से आती हैं। ये भी पता चला है कि महिलाओं में अपने क्रेडिट स्कोर को लेकर भी जागरूकता बढ़ी है। क्रेडिट स्कोर चेक करने वाली युवा लड़कियों की दर सालाना करीब 56 फीसदी से बढ़ रही है।

सोमवार को प्रकाशित हुई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि महज तीन फीसदी महिलाओं ने बिजनेस के लिए लोन लिया है। पर्सनल लोन, कंज्यूमर लोन, होम लोन का हिस?सा 42 फीसदी था। गोल?ड लोन सबसे ज?यादा लिया गया। 38 फीसदी महिलाओं ने सोना गिरवी रखकर लोन लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 से कारोबार के इरादे से खोले गए लोन अकाउंट की संख्या में 4.6 गुना बढ़ोतरी हुई है लेकिन ये लोन 2024 में महिलाओं द्वारा लिए गए कुल लोन का सिर्फ तीन फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ज्यादातर महिलाएं लोन लेना चाह रही हैं और सक्रिय रूप से अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी भी कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला उधारकर्ताओं में से 60 फीसदी कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से थीं। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में इस दौरान महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा लोन लिया है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि बैंक और फाइनेंशियल कंपनियों के पास महिलाओं को लोन देने का मौका है। महिलाएं लोन लेकर अपनी फाइनेंशियल पावर बढ़ाना चाहती हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में महिला के आत्मघाती हमले में 1 की मौत, 3 घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक महिला के आत्मघाती हमले में पाकिस्तानी सेना के ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। महिला ने यह हमला अर्धसैनिक गश्ती दल की गाड़ी को निशाना बनाकर किया था। सोमवार को हमला बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से लगभग 170 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में कलात में हुआ। अभी तक किसी संगठन में बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पुलिस को शक है किय यह काम बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी का है।

फ्रांस का रूस और यूक्रेन के बीच 1 महीने युद्धविराम का प्रस्ताव

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनके विदेश मंत्री ने रूस और यूक्रेन के बीच एक महीने के युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है। इस दौरान यह देखा जाएगा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन का शांति वार्ता के लिए क्या नजरिया है। फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने कहा- यूरोपीय संघ पर आज जितना युद्ध का खतरा है उतना कभी नहीं रहा। खतरा लगातार हमारे करीब आता जा रहा है। कल ही यूक्रेन के समर्थन में यूरोपीय नेताओं ने लंदन में बैठक की थी। इस बैठक में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर यूक्रेन को 14 हजार करोड़ रुपए देने की बात कही थी। इस बैठक में 15 देशों के राष्ट्र प्रमुख, तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो के महासचिव, यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट शामिल हुए थे।

एम23 विद्रोहियों ने 130 मरीजों का किया अपहरण

किंसाशा, एजेंसी। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में चल रही हिंसा के बीच एम23 विद्रोही लगातार कब्जा कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि एम23 विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के एक प्रमुख शहर के दो अस्पतालों से कम से कम 130 बीमार और घायल लोगों का अपहरण कर लिया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने बताया कि 28 फरवरी को एम23 विद्रोहियों ने गोमा स्थित सीबीसीए एनडोशो अस्पताल और हील अफ्रीका अस्पताल पर हमला किया। विद्रोहियों ने सीबीसीए से 116 रोगियों और हील अफ्रीका से 15 अन्य लोगों को अगवा कर लिया। विद्रोहियों को शक था कि अस्पताल में भर्ती मरीज कांगो सेना के सैनिक या सरकार समर्थक वाजालेंडो मिलिशिया के सदस्य थे। शमदासानी ने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि एम23 ने अस्पताल के बिस्तरों से मरीजों को अगवा किया। उन्हें अज्ञात स्थानों पर बिना किसी संपर्क के बंधक बनाकर रखा गया है।

पाकिस्तान के लिए इमरान अब खुद में सुधार करें : अब्बासी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और आवाम पाकिस्तान पार्टी (एपीपी) के संयोजक शाहिद खाकान अब्बासी ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को खुद में सुधार लाना होगा, अन्यथा देश को तरक्की करने में संघर्ष करना पड़ेगा। घरेलू राजनीतिक माहौल पर बोलते हुए अब्बासी ने पीटीआई के मजबूत जनसमर्थन को स्वीकारा, लेकिन चेताया कि पार्टी ने सत्ता में रहते हुए जो नजरिया अपनाया था उसे जारी रखा गया तो उसे कोई फायदा नहीं होगा। खान अपनी गलतियों पर सोचें।

पाकिस्तान मेंअहमदियों की 120 वर्ष पुरानी इबादतगाह तोड़ी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी 'तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान' के दबाव में पुलिस ने अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय के 120 वर्ष पुरानी इबादतगाह को तोड़ दिया है। अहमदियाओं के सामुदायिक संगठन 'जमात-ए-अहमदिया' ने सोमवार को कहा कि घटना लाहौर से 80 किलोमीटर दूर गुजरांवाला के चट्ठा इलाके में हुई, जहां इबादतगाह को ध्वस्त करने का विरोध करने पर पांच अहमदियों को हिरासत में भी लिया गया है।

जापान की आईस्पेस 6 जून को चंद्रमा पर उतरने का दूसरा प्रयास करेगी

टोक्यो, एजेंसी। जापानी चंद्रमा अन्वेषण कंपनी आईस्पेस ने कहा कि उसका रेजिलिएंस लैंडर 6 जून को स्थानीय समयानुसार सुबह 4:24 बजे चंद्रमा पर उतरने का प्रयास करेगा, जो अप्रैल 2023 में पहला प्रयास विफल होने के बाद उसका दूसरा प्रयास होगा। यह रविवार को अमेरिकी कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस के ब्लू घोस्ट अंतरिक्ष यान की सफल चंद्रमा लैंडिंग के बाद होगा, जिसने जनवरी में आईस्पेस के रेजिलिएंस के साथ एक ही स्पेसएक्स रॉकेट साझा किया था।

डोनाल्ड ट्रंप का जेलेंस्की को बड़ा झटका ! यूक्रेन को सैन्य सहायता पर लगाई रोक

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को एक और झटका दिया है। दरअसल, ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता रोक दी है। यह भी आदेश दिया गया है कि यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि यूक्रेन और देश के नेता शांति वार्ता के लिए प्रतिबद्ध हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को यूक्रेन को सैन्य सहायता निलंबित करने का आदेश जारी किया, जिससे कीव पर रूस के साथ शांति वार्ता करने का दबाव बढ़ गया है। यह कदम यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप के बीच दुनिया के सामने कैमरे पर हो रहे टकराव, बहस और तकरार के बीच उठाया गया है, क्योंकि ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध को खत्म करना चाहते हैं, लेकिन जेलेंस्की बिना सुरक्षा गारंटी के किसी भी मुद्दे पर बात नहीं करना चाहते हैं। **इन राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट :** मौसम विभाग के अनुसार समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 9 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में गरज के साथ बारिश और बर्फबारी होगी। हरियाणा, चंडीगढ़ में भी गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और ओलावृष्टि की भी संभावना है। उत्तराखंड में भी छिटपुट से लेकर हल्की-मध्यम बारिश/बर्फबारी की संभावना है। पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। इसके प्रभाव से अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में गरज के साथ बारिश हो सकती है।

जेलेंस्की पर नाराज हुए ट्रम्प, कहा- वे शांति नहीं चाहते : ब्लूमबर्ग ने रक्षा विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति ट्रम्प इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि क्या जेलेंस्की रूस के साथ शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन के एक अधिकारी ने फॉक्स न्यूज से कहा कि यह मदद स्थायी तौर पर नहीं रोकी गई है। जेलेंस्की की सैन्य मदद रोकने से कुछ घंटे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा- जेलेंस्की नहीं चाहते कि जब तक उन्हें अमेरिका का समर्थन हासिल है, तब तक शांति हो। यह जेलेंस्की की तरफ से दिया गया सबसे खराब बयान है। अमेरिका इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

यूक्रेन की 8.7 हजार करोड़ रुपए की मदद रुकी : न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इससे एक अरब डॉलर (8.7 हजार करोड़ रुपए) के हथियार और गोला-बारूद संबंधी मदद पर असर पड़ सकता है। इन्हें जल्द ही यूक्रेन को डिलीवर किया जाना था। ट्रम्प के आदेश के बाद उस मदद को भी रोक दिया गया है जिसका इस्तेमाल यूक्रेन सिर्फ अमेरिकी डिफेंस कंपनियों से सीधे नए सैन्य हार्डवेयर खरीदने के लिए कर सकता है। अमेरिकी सहायता रोके जाने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि यह साफ है कि फैसला जेलेंस्की के बुरे बर्ताव की वजह से उठाया गया। उन्होंने कहा कि अगर जेलेंस्की जंग को खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश करते हैं, तब शायद ये रोक हटाई जा सकती है।

यूक्रेन पर 2 से 4 महीने में दिखेगा मदद रूकने का असर : सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मार्क कैन्सियन ने कहा कि अमेरिका के मदद रोकने के फैसले से यूक्रेन पर बहुत असर पड़ने वाला है। ट्रम्प के इस फैसले ने एक तरह से यूक्रेन को 'अपंग' कर दिया है। कैन्सियन ने कहा कि अमेरिकी मदद रुकने का मतलब है कि अब यूक्रेन की ताकत आधी हो गई है। इसका असर दो से चार महीने में दिखने लगेगा। फिलहाल यूरोपीय देशों से मिलने वाली सहायता से यूक्रेन कुछ समय तक लड़ाई में बना रहेगा।

खुफिया जानकारी देना भी बंद कर सकता है अमेरिका : उन्होंने कहा कि इस फैसले का मतलब ये है कि यूक्रेन को अब किसी भी हाल में पीस डील को स्वीकार करना पड़ेगा। कैन्सियन ने चेतावनी दी कि ट्रम्प प्रशासन यूक्रेन को कमजोर करने के लिए और भी कई तरीके आजमा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन को दी जाने वाली खुफिया जानकारी बंद कर और यूक्रेनी सेना को मिल रही ट्रेनिंग रोककर जेलेंस्की को घुटनों पर ला सकते हैं।

जर्मनी के मैनहेम में लोगों पर जानबूझकर कार चढ़ाई:2 की मौत, 25 घायल

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के मैनहेम में कार्निवल के दौरान सोमवार को एक कार चालक ने जानबूझकर पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। जर्मनी के बिल्ड न्यूज पेपर के मुताबिक इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक यह साफ नहीं है कि ड्राइवर ने जानबूझकर ऐसा किया या ये हादसा गलती से हुआ। पुलिस ने इलाके में लॉकडाउन लगाया है। जर्मनी में तीन महीने के अंदर कार से लोगों पर हमले की यह तीसरी घटना है। जनवरी में म्यूनिख शहर में एक अफगानी शरणार्थी ने लोगों पर कार चढ़ा दी थी। इस हादसे में 2 लोग मारे गए थे, जबकि 28 से ज्यादा घायल हुए थे। वहीं, दिसंबर में मैगडेबर्ग शहर के क्रिसमस मार्केट में तेज रफ्तार कार ने सैकड़ों लोगों को रौंद दिया था। इस हमले में 5 लोग मारे गए थे, जबकि 200 घायल हुए थे। घायलों में 7 भारतीय भी थे। इस हमले को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12.15 बजे (भारतीय समय के मुताबिक शाम 4:45 बजे) अंजाम दिया गया। जर्मन मीडिया ने बताया कि मैनहेम की मुख्य शॉपिंग स्ट्रीट प्लैंकन में एक काली स्कू ने तेज रफ्तार से कई पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। यह कार प्लैंकन में परेडप्लात्ज स्क्वायर से शहर के फेमस वॉटर टावर की तरफ जा रही थी। पुलिस प्रवक्ता स्टीफन विल्हेम ने बताया कि एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में अन्य लोगों के शामिल होने की जानकारी नहीं दी गई है। घटना के बाद पुलिस ने कहा है कि मैनहेम में अभी खतरे की स्थिति बनी हुई है। घायलों के इलाज के लिए हॉस्पिटल ने 8 टीमें तैनात की हैं।

एफबीआई के न्यूयॉर्क प्रमुख का इस्तीफा, बोले- मुझे मिला था ये आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई के न्यूयॉर्क कार्यालय के प्रमुख ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने के लिए आदेश दिया गया था। जेम्स डेनही ने सोमवार को अपने सहयोगियों को एक संदेश में बताया कि शुक्रवार को उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन इसका कोई कारण नहीं बताया गया। यह घटना एफबीआई के लिए एक अशांत समय में हुई है, क्योंकि पिछले महीने काश पटेल नए एफबीआई निदेशक बने थे और डैन बॉन्गिनो, जो ट्रंप के समर्थक और कंज़र्वेटिव पॉडकास्ट होस्ट हैं, को उप निदेशक नियुक्त किया गया है। फिलहाल, एफबीआई के भीतर स्थिति और भी जटिल हो गई है, जब न्याय विभाग ने 6 जनवरी, 2021 को अमेरिकी कैपिटल में हुई हिंसा से संबंधित जांच में शामिल हुए एफबीआई एजेंट्स की सूची देने का आदेश दिया। इस आदेश को कुछ लोगों ने एफबीआई में बड़े पैमाने पर निकासी का संकेत माना। डेनही, जो एक सेवानिवृत्त मरीन हैं, इस आदेश का विरोध करते हुए एक संदेश में कहा था कि वह इस मामले में डिगने के लिए तैयार नहीं थे। वहीं जेम्स डेनही ने अपने इस्तीफे के बाद कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कई बार सुना है, जब आप गड्ढे में हों, तो खुदाई बंद कर दो, लेकिन मुझे इस पर भरोसा नहीं है। मैं कभी भी इस संगठन की रक्षा करना बंद नहीं करूंगा, बस इसे बाहर से गर्व से करूंगा। डेनही ने यह भी कहा कि वह एफबीआई की स्वतंत्रता को याद करेंगे और कहा, हम झुकेंगे नहीं, हम हारेंगे नहीं, हम जो सही है।

पूर्व प्रो-रेसलिंग प्रमुख लिंडा मैकमोहन बनीं शिक्षा मंत्री, ट्रंप ने विभाग समेटने का सुनाया है फरमान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने पूर्व रेसलिंग एक्जीक्यूटिव 76 वर्षीय लिंडा मैकमोहन को शिक्षा विभाग के प्रमुख के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह वह विभाग है जिसकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निंदा की है और जिसे खत्म करने का पहले ही एलान कर रखा है। मैकमोहन को शिक्षा विभाग को बंद करने के साथ-साथ ट्रंप के एजेंडे को हासिल करने के प्रयासों को बढ़ाने के लिए कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने पहले ही अमेरिका के स्कूलों से विविधता कार्यक्रमों और ट्रांसजेंडर छात्रों के लिए सुविधाओं को हटाने के लिए व्यापक आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने स्कूल चॉइस कार्यक्रमों को विस्तारित करने का आह्वान भी किया है। ट्रंप ने केंद्रीय शिक्षा विभाग को बंद करने का किया है एलान ट्रंप ने विभाग को बंद करने की बात कही है और कहा है कि वह चाहते हैं कि मैकमोहन खुद को नौकरी से निकाल दें। सोमवार को सीनेट ने मैकमोहन की नियुक्ति की पुष्टि के लिए 51-45 के बहुमत से मतदान किया। अरबपति और वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट की पूर्व सीईओ, 76 वर्षीय मैकमोहन इस पद के लिए एक अपरंपरागत विकल्प हैं। उन्होंने कनेक्टिकट के राज्य शिक्षा बोर्ड में एक साल बिताया और सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी में लंबे समय से ट्रस्टी हैं, लेकिन इसके अलावा उनके पास पारंपरिक शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व बहुत कम अनुभव है। मैकमोहन के समर्थक उन्हें एक कुशल कार्यकारी

के रूप में देखते हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे उस विभाग में विभाग में सुधार लाएंगी जोअमेरिकी शिक्षा में सुधार करने में विफल रहा है। विरोधियों का कहना है कि वह अयोग्य हैं और उन्हें डर है कि उनके बजट में कटौती का असर पूरे देश के छात्रों पर पड़ेगा।

सीनेट सदस्य बोले- वे शिक्षा विभाग को खत्म होते नहीं देखना चाहते : सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने पुष्टिकरण वोट से पहले कहा, अमेरिकी सार्वजनिक शिक्षा में विश्वास करते हैं। वे शिक्षा विभाग को समाप्त होते नहीं देखना चाहते। यदि ट्रंप प्रशासन शिक्षा में कटौती करता है, तो स्कूलों को अरबों डॉलर का फंड खोना पड़ेगा।

पुष्टिकरण की सुनवाई के दौरान मैकमोहन ने ट्रंप की तीखी बयानबाजी से खुद को दूर रखा। उन्होंने कहा कि लक्ष्य शिक्षा विभाग को अधिक कुशलता से संचालित करना है, न कि कार्यक्रमों को निधि से वंचित करना। उन्होंने स्वीकार किया कि विभाग को बंद करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, और उन्होंने कम आय वाले स्कूलों के लिए शीर्षक ढ्ढ धन, कम आय वाले कॉलेज के छात्रों के लिए पेल अनुदान और सार्वजनिक सेवा ऋण माफी कार्यक्रम को संरक्षण वचन दिया। फिर भी उन्होंने सुझाव दिया कि कुछ संचालन अन्य विभागों में स्थानांतरित किए जा सकते हैं, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और मानव सेवा विकलांगता अधिकार कानूनों को लागू करने के लिए बेहतर ढंग से अनुकूल हो सकती है। ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि विभाग पर उदारवादियों का कब्जा हो गया है जो अमेरिका के स्कूलों पर अपनी विचारधारा थोप रहे हैं। स्कूल और कॉलेज विविधता कार्यक्रमों को खत्म करने या उनके संघीय वित्त पोषण को वापस लेने के जोखिम की मांग पर विचार कर रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान, ट्रंप ने विभाग को बंद करने और राज्यों को इसका अधिकार देने की कसम खाई थी।

बांग्लादेश में जीका वायरस के पांच मामलों की हुई पहचान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इंटरनेशनल सेंटर फॉर डायरिया डिजीज रिसर्च, बांग्लादेश (आईसीडीडीआर-बी) के वैज्ञानिकों ने देश में जीका वायरस से संक्रमित पांच मामलों की पहचान की है। संक्रमित मरीजों से सैंपल 2023 में एकत्र किए गए थे और यह बांग्लादेश में जीका वायरस से संक्रमित मरीजों के पहले समूह की पहचान है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जीका वायरस के मामलों की पहचान ने बांग्लादेश में इस बीमारी के वास्तविक प्रभाव को जानने के लिए बड़े पैमाने पर देशव्यापी जांच की मांग की है। संक्रमित मरीज एक-दूसरे से एक किलोमीटर के दायरे में रहते थे और पिछले दो सालों में देश के बाहर यात्रा नहीं की थी। पांच जीका वायरस से संक्रमित मरीजों में से एक को डेंगू वायरस भी था। यह बांग्लादेश में पहली बार ऐसा हुआ है जब दो वायरस का एक साथ संक्रमण पाया गया है।

ऐसा माना जा रहा है कि यह वायरस शायद उन बांग्लादेशी प्रवासियों से फैला होगा जो दक्षिण एशिया के जीका वायरस प्रभावित देशों में काम कर रहे थे। ये मजदूर शायद संक्रमित हो गए और अपने समुदायों के भीतर और बाहर बांग्लादेश में वायरस फैला दिया। आईसीडीडीआर ने सुझाव दिया कि अधिक निदान क्षमता विकसित की जानी चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्थित निगरानी से भविष्य में प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

जीका वायरस के पहले तीन मामले इंसानों में 1954 में नाइजीरिया में रिपोर्ट किए गए थे, अगले 50 साल की अवधि में केवल 12 इंसानों में संक्रमणों की छिटपुट रिपोर्टें सामने आईं। 2007 तक जीका वायरस ने अपना भयानक रूप नहीं दिखाया था, लेकिन उस साल पश्चिमी प्रशांत महासागर में फिलीपींस और पापुआ न्यू गिनी के बीच स्थित छोटे से याप द्वीप पर तीन-चौथाई आबादी में संक्रमण देखा गया था, इसके बाद 2013 में फ्रेंच पोलिनेशिया में इसका बड़ा प्रकोप हुआ। यह वायरस 2014 तक अफ्रीका और एशिया में एक संकीर्ण भूमध्यरेखीय पट्टी तक ही सीमित रहा, लेकिन फिर यह पूर्व की ओर फैलने लगा, पहले ओशिनिया और फिर दक्षिण अमेरिका तक पहुंच गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, जीका वायरस मुख्य रूप से एडीज प्रजाति के संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। एडीज मच्छर आमतौर पर दिन के समय काटते हैं।

डॉक्टरों ने अदियाला जेल पहुंचकर इमरान खान की स्वास्थ्य जांच

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में डॉक्टरों की टीम ने अदियाला जेल पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की स्वास्थ्य जांच की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार्रवाई मीडिया में पूर्व पीएम के स्वास्थ्य जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद की गई। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अगस्त 2023 से इस्लामाबाद के अदियाला जेल में बंद हैं। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) ने उनके स्वास्थ्य के बारे में चिंता व्यक्त की थी।

पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीआईएमएस) की एक टीम ने सोमवार को अदियाला जेल पहुंचकर इमरान की स्वास्थ्य जांच की। चार सदस्यीय डॉक्टरों की टीम का नेतृत्व ईएनटी विशेषज्ञ डॉ अल्ताफ हुसैन ने किया। टीम में अस्तपाल के डेंटल डिपार्टमेंट के डॉ उमर फारुक, जनरल मेडिसिन विभाग के डॉ मुहम्मद अली आरिफ और सर्जरी विभाग के डॉ तशफीन इम्तियाज शामिल थे। स्वास्थ्य जांच आधे घंटे तक चली।

हाल ही में, पीटीआई के सूचना सचिव शेख वक्कास अकरम दावा किया था कि इमरान खान जेल में एकांत में रखा गया है। एक अन्य पीटीआई नेता ने दावा किया था कि इमरान उनकी बहन और अन्य रिश्तेदारों से भी नहीं मिलने दिया जा रहा है। इस दौरान पीटीआई नेताओं ने इमरान सेहत पर भी चिंता जाहिर की थी। डॉक्टर की जांच रिपोर्ट के बारे में फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। डॉन के अनुसार, इस्लामाबाद में इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि इमरान को किसी दूसरे स्थान पर भेजा जा सकता है। हालांकि, इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। पिछले महीने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा था कि खान को जल्द ही कहीं और शिफ्ट किया जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर सरकार की ओर से ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं दी गई है।

द. कोरिया में बढ़ती अमेरिकी सैन्य गतिविधि पर भड़कीं किम की बहन, कहा- हमें अपनी रक्षा करना आता है

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को अमेरिका की तरफ से दक्षिण कोरिया में एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर की तैनाती और अन्य अमेरिकी सैन्य गतिविधियों के जवाब में बड़े पैमाने पर उकसावे की धमकी दी है। किम यो जोंग ने इसे अमेरिका और उसके दासों की संघर्ष की मानसिकता करार दिया और चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया अपनी सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कार्रवाईयों को बढ़ा सकता है।

उत्तर कोरिया बढ़ा सकता है मिसाइल परीक्षण गतिविधि : किम यो जोंग ने कहा कि अमेरिका ने यूएसएस कार्ल विंसन और अन्य अमेरिकी सैन्य संपत्तियों को तैनात कर के स्पष्ट रूप से उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी सबसे शत्रुतापूर्ण और संघर्षात्मक मंशा दिखाई है। उनका यह बयान इस बात को संकेत देता है कि उत्तर कोरिया अपनी मिसाइल परीक्षण गतिविधियों को बढ़ा सकता है, जिनमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हो सकती हैं, जो अमेरिका के मुख्य भूमि या क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को लक्ष्य बना सकती हैं।

दक्षिण कोरिया पहुंचा यूएसएस कार्ल विंसन : इससे पहले, रविवार को यूएसएस कार्ल विंसन और उसका स्ट्राइक समूह दक्षिण कोरिया पहुंचे थे। यह तैनाती उत्तर कोरिया की तरफ से किए गए मिसाइल परीक्षणों के जवाब में अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई थी।

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय ने बयान पर किया पलटवार : वहीं दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने किम यो जोंग के बयान को तर्कहीन बताया और कहा कि यह उत्तर कोरिया के परमाणु विकास और भविष्य के उकसावों को सही ठहराने की कोशिश है। उत्तर कोरिया अमेरिकी सैन्य तैनाती को अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है और अक्सर इसका जवाब मिसाइल परीक्षणों से देता है। जबकि, विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फिर से कूटनीति शुरू करने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि वह वर्तमान में रूस के युद्ध में समर्थन दे रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा के कॉर्पोरेटर अमितसिंह राजपूत के भाई पर छेड़खानी की शिकायत

रवि राजपूत सहित चार आरोपियों ने युवती के भाई को पीटा, छुड़ाने आई युवती से छेड़छाड़ की और जान से मारने की धमकी दी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के लिंबायत इलाके में भाजपा के कॉर्पोरेटर और पूर्व सत्तारूढ़ दल के नेता अमितसिंह राजपूत पहले भी कई विवादों में घिर चुके हैं। अब उनके छोटे भाई रवि उर्फ अजीत जमनासिंह राजपूत सहित उसके तीन दोस्त – दिनेश शुक्ला, राजेश शुक्ला और करण शुक्ला के खिलाफ शारीरिक छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत लिंबायत पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है।

लिंबायत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने वाली 28 वर्षीय महिला एक ह्यूमन रिसोर्स कंपनी में एचआर के रूप में काम करती है। शिकायत में उसने बताया कि 20 जनवरी 2025 की शाम को उसके भाई ने उसे फोन करके कहा,"दीदी, मैं मासी के घर भाभी के बारे में पूछने गया था, लेकिन वे मुझे मार रहे हैं, तुम तुरंत यहाँ आ जाओ!"यह सुनकर महिला, उसकी मां और छोटा भाई तुरंत रंगीला टाउनशिप पहुंचे। वहां, दिनेश शुक्ला, राजेश शुक्ला और करण शुक्ला (जो उसकी भाभी के रिश्तेदार हैं) उसके भाई को पीट रहे थे। महिला ने पूछा,"आप मेरी भाभी के बारे में पूछने पर मेरे भाई को क्यों मार रहे हैं?" इस पर आरोपियों ने उसे भी धक्का दे दिया और उसके छोटे भाई की पिटाई जारी रखी। शिकायत के मुताबिक, जब महिला ने इसका विरोध किया तो करण ने उसका हाथ पकड़कर उसे घर के अंदर खींच लिया। महिला की मां ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने दोनों को गालियां दीं। करण ने महिला को धमकी दी, "तू ज्यादा मत बोल, तुझे मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ूंगा!"

शारीरिक छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी

जब यह सब हो रहा था, तब करण ने अपने दोस्त रवि जमनासिंह राजपूत को फोन करके बुलाया। कुछ देर बाद रवि वहां पहुंचा और आते ही महिला को धक्का देकर गिरा दिया। करण ने महिला के हाथ पकड़ लिए और रवि उसके शरीर पर बैठ गया। इसके बाद उसने महिला के साथ शारीरिक छेड़छाड़ शुरू कर दी और उसके कपड़े फाड़ दिए।

महिला और उसकी मां ने जब शोर मचाया तो करण ने लोहे की रॉड उठाकर महिला की मां के दाहिने पैर पर मारा, जिससे खून बहने लगा। रवि ने महिला के बाल पकड़कर उसका सिर दीवार से दे मारा और धमकी दी,"अगर तूने इसके बारे में किसी को बताया, तो तुझे और तेरे पूरे परिवार को जान से मार दूंगा!"

महिला और परिवार पर हमले के बाद शिकायत दर्ज

इसके बाद आरोपियों ने महिला के दोनों भाइयों को सीढ़ियों से नीचे धक्का दे दिया, जिससे वे गिरकर घायल हो गए। जब महिला की मां अपने बेटों को बचाने के लिए आगे बढ़ी, तो रवि ने उसे भी धक्का देकर दीवार से टकरा दिया, जिससे वह नीचे गिर गई।

हमले के बाद महिला और उसकी मां ने इलाज करवाया, लेकिन बदनामी और डर के कारण तुरंत शिकायत दर्ज नहीं करवाई। हालांकि, परिवार ने पूरे मामले पर विचार-विमर्श करने के बाद 4 मार्च 2025 को लिंबायत पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करवाई।

भाजपा नेता अमितसिंह राजपूत फिर विवादों में

गौरतलब है कि अमितसिंह राजपूत पहले भी कई विवादों में फंस चुके हैं। भाजपा ने कई बार उन्हें बचाने की कोशिश की थी, लेकिन अब उनके छोटे भाई रवि जमनासिंह राजपूत और अन्य परिवारजन भी गंभीर अपराध में फंस गए हैं।

सूरत पुलिस की कार्रवाई

लिंबायत पुलिस स्टेशन में इन चारों आरोपियों के खिलाफ IPCकी विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

रतन मार्केट क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन

सूरत ने होली स्नेह मिलन का कार्यक्रम रद्द किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, शिवशक्ति मार्केट में हुई आग दुर्घटना के बाद इस बार अधिकतर मार्केटों में होली के स्नेहमिलन कार्यक्रमों को रद्द करने की घोषणा की गई है। साथ ही, कई व्यापारियों ने यह निर्णय भी लिया है कि कपड़ा व्यापारी इस बार होली के कार्यक्रम का धन राहत कोष में देंगे।

शिवशक्ति मार्केट में लगी आग की दुर्घटना में अधिकांश व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। इन व्यापारियों को संभवतः अधिक से अधिक राहत मिले और उनका व्यापार फिर से पटरी पर आए, इसके लिए पूरे टेक्सटाइल उद्योग में सामूहिक प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही कई मार्केट ने होली स्नेह मिलन कार्यक्रम को रद्द करने का भी निर्णय किया है। प्रभावित व्यापारियों की सहायता के लिए शिवशक्ति मार्केट राहत कोष समिति बनाई गई है। व्यापारियों की मदद के लिए कपड़ा व्यापारियों के साथ शहर के अन्य संगठन भी आगे आए हैं।

रतन मार्केट क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन सूरत ने भी होली स्नेह मिलन का कार्यक्रम रद्द किया है। कार्यक्रम रद्द कर व्यापारी और कर्मचारियों ने दुख की घड़ी में संवेदना प्रकट की।

गुजरात हाईकोर्ट में 10 TRB जवानों की याचिका

सरकार न्यूनतम वेतन दे,कार्य के घंटे तय करे और PF व ESIC की सुविधा दे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात हाईकोर्ट में 10 TRB (ट्रैफिक ब्रिगेड) जवानों ने याचिका दायर कर सरकार से न्यूनतम वेतन, कार्य समय की स्पष्टता और PF-ESIC जैसी सुविधाओं की मांग की है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे कम वेतन में काम कर रहे हैं और उन्हें बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि TRB जवानों के लिए न्यूनतम वेतन तय किया जाए, काम के घंटे निर्धारित किए जाएं और Provident Fund (PF) तथा Employee State Insurance Corporation (ESIC) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिया जाए।

सरकार पर सवाल:

याचिका में आरोप लगाया गया है कि TRB जवानों से नियमित पुलिसकर्मियों की तरह ड्यूटी करवाई जाती है, लेकिन उन्हें वेतन और सुविधाओं के मामले में उपेक्षित रखा जाता है।

हाईकोर्ट में इस याचिका पर जल्द ही सुनवाई होने की संभावना है।

गुजरात हाईकोर्ट में 10 TRB जवानों की याचिका:

एडवोकेट प्रशांत चावड़ा के माध्यम से 10 TRB जवानों ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें सरकार से न्यूनतम वेतन, PF और ESIC जैसी सुविधाओं की मांग की गई है।

याचिका में उठाए गए मुख्य मुद्दे:

1.TRB जवान ट्रैफिक प्रबंधन की अहम जिम्मेदारी निभाते हैं।

2.उनका कार्य समय 6 घंटे होना चाहिए, लेकिन उन्हें 8-10 घंटे काम करना पड़ता है।

3.उन्हें प्रतिदिन मात्र 300 वेतन मिलता है, जो उनके जीवनयापन के लिए पर्याप्त नहीं है।

4. वे वर्षों से कॉन्ट्रैक्ट बेस पर काम कर रहे हैं, इसलिए उन्हें स्थायी किया जाए।

5.सरकार को TRB जवानों को न्यूनतम वेतन (Minimum Wages) और PF व ESIC जैसी सुविधाएं देनी चाहिए।

सरकार की नीति पर सवाल: याचिका में कहा गया है कि गुजरात सरकार के 2014 के सर्कुलर के अनुसार, TRB जवानों को होमगार्ड के समान वेतन नहीं मिलता।

अगली सुनवाई:

हाईकोर्ट में इस याचिका पर जल्द सुनवाई होने की संभावना है।

आसाराम-नारायण साईं के कट्टर साधक की गिरफ्तारी

छह राज्यों में वांटेड तामराज को पुलिस ने दबोचा, गिरफ्तारी से बचने के लिए धर्म परिवर्तन कर स्टेफन बना था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस ने आसाराम और नारायण साईं के कट्टर अनुयायी तामराज को गिरफ्तार कर लिया है, जो छह राज्यों में वांटेड था। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने धर्म परिवर्तन कर अपना नाम बदलकर च्स्टेफनज् रख लिया था। तामराज पर आसाराम और नारायण साईं के लिए आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने, ब्लैकमेलिंग और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह कई वर्षों से फरार था और अलग-अलग राज्यों में पहचान बदलकर रह रहा था। लेकिन आखिरकार पुलिस ने तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर उसे ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस तामराज से पूछताछ कर रही है कि उसने कौन-कौन से अपराध किए और आसाराम-नारायण साईं के लिए किन गतिविधियों को अंजाम दिया।

RTI मामले में मामलतदार पर जुर्माना

अंकलेश्वर मामलतदार का दावा-आवेदन दफ्तर में आया ही नहीं, हाईकोर्ट में करेंगे अपील

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में RTI (सूचना का अधिकार) मामले में अंकलेश्वर के मामलतदार पर दंड लगाया गया है। हालांकि, मामलतदार का कहना है कि संबंधित RTI आवेदन उनकी कार्यालय में आया ही नहीं था।

क्या है पूरा मामला?

- एक व्यक्ति ने RTI के तहत जानकारी मांगी थी, लेकिन उसे जवाब नहीं मिला।
- मामले की सुनवाई के बाद सूचना आयोग ने मामलतदार पर जुर्माना लगाया।
- मामलतदार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यह आवेदन उनकी दफ्तर में आया ही नहीं था।
- अब वे गुजरात हाईकोर्ट में इस फैसले के खिलाफ अपील करने की तैयारी कर रहे हैं।

अगली कार्रवाई:

मामलतदार का कहना है कि वे जल्द ही हाईकोर्ट में अपील दाखिल करेंगे ताकि अपने खिलाफ लगे जुर्माने को चुनौती दे सकें।

अंकलेश्वर मामलतदार करणसिंह राजपूत पर 15,000 का जुर्माना

RTI जानकारी न देने पर गुजरात सूचना आयोग की कार्रवाई

गुजरात सूचना आयोग ने अंकलेश्वर मामलतदार करणसिंह राजपूत पर 15,000 का जुर्माना लगाया है, क्योंकि उन्होंने RTI (सूचना का अधिकार) के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई।

मामले की पृष्ठभूमि

- मांडवा गांव के हसमुख परमार ने खनन और खनिज विभाग से संबंधित जानकारी के लिए RTI आवेदन दायर किया था।
- आयोग ने पाया कि RTI के तहत मांगी गई जानकारी आवेदक को समय पर नहीं दी गई।

मामलतदार की सफाई

-करणसिंह राजपूत का कहना है कि आवेदन उनकी दफ्तर तक पहुंचा ही नहीं था।
- उनके मुताबिक, आवेदक ने प्रांत कार्यालय में आवेदन किया था, लेकिन वह अंकलेश्वर कचहरी तक नहीं आया।
- अब मामलतदार इस जुर्माने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करने की योजना बना रहे हैं।

अंकलेश्वर मामलतदार हाईकोर्ट में करेंगे अपील

RTI मामले में 15,000 जुर्माने के आदेश पर असहमति

गुजरात सूचना आयोग द्वारा RTI जानकारी न देने पर लगाए गए 15,000 के जुर्मानेको लेकर अंकलेश्वर मामलतदार करणसिंह राजपूत ने असहमति जताई है।

मामलतदार की सफाई

- उन्होंने कहा कि आवेदक बीपीएल राशन कार्ड धारक है और विभिन्न कार्यालयों में निशुल्क आवेदन करता रहता है।
- उनका दावा है कि **उन्होंने समय पर सूचना आयोग को जवाब दिया था, लेकिन आयोग ने उसे स्वीकार नहीं किया।
- दंड के आदेश की प्रतिलिपि मिलते ही वे हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

प्रशासनिक हलकों में हलचल

इस घटना के बाद अधिकारियों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि ऋद्ध मामलों में बढ़ती सख्ती से प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बढ़ रहा है।

शिवशक्ति मार्केट की पांचवीं मंजिल पर राख के अलावा कुछ नहीं बचा

दुकानों को देखने गए व्यापारी ने कहा- 'मानो श्मशान से लौटे हों',स्थिति बताते हुए फूट-फूटकर रो पड़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शिवशक्ति मार्केट में भीषण आग के बाद पांचवीं मंजिल पर सिर्फ राख ही बची है। व्यापारियों का सबकुछ जलकर खाक हो गया। जब व्यापारी अपनी जली हुई दुकानों को देखने पहुंचे, तो कई लोग अपनी स्थिति बयान करते हुए रो पड़े।

एक व्यापारी ने कहा,"ऐसा लग रहा है जैसे हम श्मशान से लौट रहे हों। हमारी मेहनत से बनाई गई दुकानें और वर्षों की पूंजी एक ही रात में राख हो गई।"

आग ने पूरी मंजिल को तबाह कर दिया, और अब वहां सिर्फ जली हुई दीवारें और राख का ढेर बचा है। दुकानदारों की आंखों में आंसू थे क्योंकि उनकी जीविका का साधन खत्म हो गया था। प्रशासन द्वारा नुकसान के आंकलन का काम जारी है।

सूरत की रिंग रोड स्थित शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग को एक हफ्ता बीत चुका है, लेकिन व्यापारियों की परेशानी कम नहीं हुई।

मार्केट की चौथी और पांचवीं मंजिल पर व्यापारियों को बारी-बारी से जाने की अनुमति मिलने के बाद आज व्यापारी अपनी दुकानों की हालत देखने पहुंचे। पांचवीं मंजिल पर पहुंचकर अपनी दुकानें जली हुई हालत में देखकर कई व्यापारी फूट-फूटकर रो पड़े।

अधिकांश व्यापारी अपनी जली हुई दुकानों से सिर्फ जले हुए सीपीयू और कागजात ही समेटकर वापस लौटे। रोते हुए व्यापारियों ने कहा, "दुकान में कुछ भी नहीं बचा, सब कुछ जलकर खाक हो गया।"

वहीं, जिन व्यापारियों का बीमा (इंश्योरेंस) था, उनके मामलों में बीमा कंपनियों ने भी अपनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और नुकसान के आकलन का काम जारी है।

शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में घंटों तक आग लगातार जलती रही, जिससे भारी नुकसान हुआ है। टेक्सटाइल मार्केट की संरचना को भी गंभीर क्षति पहुंची है। चौथी और पांचवीं मंजिल पर बीम, सीलिंग और पिलर पूरी तरह जल चुके हैं।

अपनी दुकानें देखने पहुंचे व्यापारियों की आंखों में आंसू थे। वे लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे और फिर अपने इंश्योरेंस एजेंट के साथ अंदर गए। व्यापारियों ने नुकसान का वीडियोग्राफी करवाई और जो भी बचा हुआ सामान था, उसे समेटने की कोशिश की।

जले हुए कंप्यूटर, करेंसी नोट और हिसाब-किताब की कॉपियां लेकर लौटे व्यापारी

पुलिस विभाग द्वारा निर्देश मिलने के बाद, चौथी और पांचवीं मंजिल पर स्थित दुकानों के व्यापारियों को शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट बुलाया गया। सुबह चौथी मंजिल के व्यापारियों को भेजा गया, जबकि शाम को पांचवीं मंजिल के व्यापारियों को उनकी दुकानों की हालत देखने के लिए ले जाया गया।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यापारी हेलमेट पहनकर ऊपर गए। जब वे अपनी दुकानों से बाहर निकले, तो उनके हाथों में जले हुए कंप्यूटर सीपीयू, जली हुई करेंसी नोटें और हिसाब-किताब के रजिस्टर थे। कई व्यापारी रोते हुए अपने गल्ले में रखी जली हुई नकदी लेकर आए। कुछ व्यापारियों को उम्मीद थी कि शायद उनकी हार्ड डिस्क से पूरा डेटा मिल जाए, इसलिए जो भी जली हुई चीजें बची थीं, उन्हें समेटने की कोशिश की गई।

व्यापारी बोले - 'ऐसा लगा जैसे श्मशान से लौटकर आए हों'

पारसमल सोलंकी ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, "मेरी दुकान पांचवीं मंजिल पर थी। मैं इतनी बुरी स्थिति में हूं कि कुछ बोल भी नहीं पा रहा। जब हम अपने किसी प्रियजन को खो देते हैं और श्मशान में अंतिम संस्कार करके लौटते हैं, वैसा ही एहसास मुझे हो रहा है।"

उन्होंने आगे कहा, "ऐसा लगा जैसे हमने किसी अपने को अग्नि संस्कार दिया हो और उसकी जली हुई राख लेकर लौट रहे हों। जब हम अपनी दुकान देखने गए, तो चारों तरफ सिर्फ राख ही राख फैली थी। आज हम राख समेटकर वापस आए हैं। ऐसा लग रहा है जैसे हमने अपना सब कुछ खो दिया।"

'सिर्फ जले हुए कंप्यूटर लेकर लौटे है'

"सब कुछ जलकर खाक हो गया है। मेरी दुकान चौथी मंजिल पर थी, जब हम देखने गए तो वहां कुछ भी नहीं बचा था। सिर्फ एक सीपीयू बचा है, लेकिन वह भी चलेगा या नहीं, यह बड़ा सवाल है।"

उन्होंने कहा, "हमने करीब 24 से 25 लाख रुपये तक का इंश्योरेंस लिया हुआ है। इंश्योरेंस कंपनी के लोग भी हमारे साथ ऊपर गए थे। उन्होंने भी पूरी स्थिति देखी और नुकसान का आकलन किया।"